राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण गुरुवार 01 फरवरी 2024 वर्ष-7, अंक-9 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जाति की भलाई के नाम पर सिर्फ अपना हित साधती हैं परिवारवादी पार्टियां: नरेन्द्र मोदी

– प्रधानमंत्री ने सीर गोवर्धन में संत रविदास की 25 फीट ऊंची कांस्य प्रतिमा का किया अनावरण

मेहसाणा/नई दिल्ली (एजेंसी)। वाराणसी, 23 फरवरी (वेब वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को संत रविदास की जन्मस्थली सीर गोवर्धन में कहा कि भाजपा सरकार संत रविदास के संकल्पों को पूरा कर रही है। गरीब, वंचित, पिछड़े और दलित के लिए सरकार की नीयत साफ है। प्रधानमंत्री ने कहा, मैं संत रविदास के संकल्पों को आगे बढ़ा रहा हूं। मुझे उन्होंने ही सेवा का अवसर दिया है।

प्रधानमंत्री ने संत रविदास की 647वीं जयंती पर सीरगोवर्धन में उनकी 25 फीट उंची कांस्य प्रतिमा का अनावरण किया। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि यह हमारा इतिहास रहा है कि जब भी देश को जरूरत हुई है, कोई न कोई संत, ऋषि, महान विभूति भारत में जन्म लेते हैं। संत रविदास तो उस भक्ति आंदोलन के महान संत थे, जिन्होंने कमजोर और विभाजित हो चुके भारत को नई ऊर्जा दी थी। प्रधानमंत्री ने कहा कि संत रविदास ने समाज को आजादी का महत्व भी बताया था और सामाजिक विभाजन को भी पाटने का काम किया। ऊंच-नीच, छुआछूत, भेदभाव समेत सभी सामाजिक बुराइयों के खिलाफ उन्होंने आवाज उठाई। संत रविदास कहते हैं, 'जात पात के फेर मंहि, उरझि रहइ सब लोग। मानुषता कूं खात हइ, रैदास जात कर रोग।' यानी ज्यादातर लोग जातपात के फेर में उलझे और उलझाते रहते हैं। यह रोग मानवता का नुकसान करता है। संतों की वाणी हमें रास्ता भी दिखाती है और सावधान भी करती है।

इस दौरान प्रधानमंत्री ने विपक्षी दलों पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि आज देश के हर दलित, पिछड़े को एक और बात ध्यान रखनी है। हमारे देश में जाति के नाम पर उकसाने और उन्हें लड़ाने में भरोसा रखने वाले इंडी गठबंधन के लोग दलित, वंचित के हित की योजनाओं का बड़ा विरोध करते हैं। जाति की भलाई के नाम पर ये लोग सिर्फ अपने परिवार के स्वार्थ की राजनीति करते हैं। परिवारवादी पार्टियां अपने परिवार के बाहर किसी दलित और आदिवासी को आगे नहीं बढ़ने देना चाहतीं। प्रधानमंत्री ने कहा कि देश में पहली आदिवासी महिला को राष्ट्रपति बनने का किन-किन लोगों ने विरोध किया था, ये हर कोई जानता है। ये सब वही परिवारवादी पार्टियां हैं, जिन्हें चुनाव के वक्त दलित की याद आने लगती है। हमें इनसे सावधान रहना होगा। उन्होंने कहा कि सांसद होने के नाते, वाराणसी का जनप्रतिनिधि होने के नाते मेरी विशेष जिम्मेदारी भी बनती है कि मैं बनारस में आप सबका स्वागत करूं, आप सबकी सुविधाओं का खास खयाल भी रखूं। मुझे खुशी है कि संत रविदास जयंती पर मुझे इन दायित्वों को पूरा करने का अवसर मिला है। आज मुझे संत रविदास की नई प्रतिमा के लोकार्पण का भी सौभाग्य मिला है। संत रविदास म्यूजियम की आधारशिला भी आज रखी है। मैं आप सभी को इन विकास कार्यों की बहुत-बहुत बधाई देता हूं। उन्होंने कहा कि आज वाराणसी से हजारों करोड़ की योजनाओं का शिलान्यास होने जा रहा है जिससे जनता को लाभ मिलेगा। इस योजना में रविदास मंदिर के लिए भी कार्य होगा।

मनोहर जोशी के निधन पर राज्यपाल, मुख्यमंत्री और राजनेताओं ने शोक व्यक्त किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुंबई, 23 फरवरी (वेब वार्ता)। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर जोशी के निधन पर सूबे के राज्यपाल रमेश बैस, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उप मुख्यमंत्री अजीत पवार और देवेन्द्र फडणवीस, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी तथा अन्य राजनीतिक हस्तियों ने गहरा शोक व्यक्त किया है। महाराष्ट्र के राज्यपाल रमेश बैस ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री और लोकसभा के पूर्व अध्यक्ष मनोहर जोशी एक मृदुभाषी और विद्वान सांसद थे। राज्यपाल ने जोशी के निधन पर दुख व्यक्त किया है और उन्हें राज्य के सबसे सम्मानित राजनीतिक नेताओं में से एक बताया है। राज्यपाल ने अपने शोक संदेश में कहा, एक कुशल संगठनकर्ता, उत्कृष्ट सांसद, उत्कृष्ट वक्ता, प्रखर विपक्षी नेता और सम्मानित लोकसभा अध्यक्ष जोशी ने हर भूमिका का निर्वहन करते हुए अपनी अमिट छाप छोड़ी। बैस ने कहा कि कौशल शिक्षा के महत्व को बहुत पहले ही महसूस करते हुए जोशी ने तकनीकी और कौशल शिक्षा प्रदान करने के लिए केंद्र बनाए, जिससे हजारों युवा महिलाओं और पुरुषों को नौकरियां हासिल करने में मदद मिली। जोशी के निधन से महाराष्ट्र ने उच्च सिद्धांतों और मूल्यों वाले एक व्यक्ति को खो दिया है। जब श्री जोशी लोकसभा अध्यक्ष थे, तब मुझे उन्हें करीब से जानने का सौभाग्य मिला। उनके परिवार के प्रति मेरी हार्दिक संवेदना।

फरार टीएमसी नेता शेख शाहजहां के खिलाफ तेज हुई ईडी की जांच

कोलकाता। प्रवर्तन निदेशालय ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल में बड़े पैमाने पर छापेमारी की है। पीडीएस घोटाला मामले में फरार तृणमूल कांग्रेस नेता शेख शाहजहां के खिलाफ जारी जांच के सिलसिले में छापेमारी मारी गई है। ईडी की टीम करीब 6 जगहों पर तलाशी अभियान चला रही है। बता दें कि केंद्रीय जांच एजेंसी के द्वारा शाहजहां को नया समन जारी किया गया था। उन्हें 29 फरवरी को पूछताछ के लिए बुलाया गया है। ईडी ने जमीन हड़पने के आरोप में टीएमसी नेता शाहजहां के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का नया मामला दर्ज किया है। एक नई ईसीआईआर दर्ज की गई है। बता दें कि शाहजहां के संदेशखाली में हिंदू महिलाओं के साथ यौन उत्पीड़न और जमीनें कब्जाने का आरोपी है। वह फिलहाल फरार चल रहा है। हाल ही में कलकत्ता हाईकोर्ट ने मामले में तीखी टिप्पणी की थी। हाईकोर्ट ने कहा था कि दबंग शाहजहां शेख इस तरह फरार नहीं हो सकता। ममता सरकार उसका समर्थन नहीं कर सकती है। तृणमूल कांग्रेस के कद्दावर नेता शाहजहां और उनके समर्थकों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर संदेशखाली में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन चल रहा है।

एक-दो दिन में हो सकती हैं केजरीवाल की गिरफ्तारी...आप मंत्री का दावा

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार में मंत्री सौरभ भारद्वाज ने शुक्रवार को दावा किया कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को अगले कुछ दिनों में गिरफ्तार किया जा सकता है। मंत्री भारद्वाज ने बताया कि केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद भी आप-कांग्रेस गठबंधन पर कोई असर नहीं होगा। उन्होंने कहा, सवाल यह है कि केंद्र इतनी जल्दबाजी क्यों दिखा रही है? यहां तक कि भाजपा के लोग भी कह रहे हैं कि अगर गठबंधन (कांग्रेस के साथ) किया जाता है, तब केजरीवाल को जेल में डाल दिया जाए और अगर हम उन्हें बाहर देखना चाहते हैं, तब वहां जाएं। बस एक ही रास्ता है कि केजरीवाल कांग्रेस के साथ गठबंधन का हिस्सा न बनें। उन्होंने कहा, यह स्पष्ट है कि भाजपा बहुत डरी हुई है। इसके पहले आप विधायक आतिशी मार्लेना ने कहा, ईडी ने केजरीवाल को सात बार नोटिस भेजा है। वे ईडी के माध्यम से केजरीवाल को गिरफ्तार नहीं कर पा रहे हैं, इसकारण उन्हें सीबीआई के माध्यम से गिरफ्तार करने की तैयारी की जा रही है। हमें ठोस जानकारी मिल रही है।

चंदे के लिए 'वसूलीभाई' की तरह काम कर रही है सरकार: राहुल

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मोदी सरकार पर चंदा पाने के लिए 'वसूली भाई' की तरह काम करने का आरोप लगाते हुए शुक्रवार को कहा कि एजेंसियों का इस्तेमाल कर कंपनियों को डराया धमकाया जा रहा है और उनसे चंदे कि वसूली की जा रही है। श्री गांधी ने कहा, 'क्या आपको प्रधानमंत्री की 'चंदा दो, बेल और बिजनेस लो' योजना के बारे में पता है। देश में प्रधानमंत्री 'वसूली भाई' की तरह ईडी, आईटी और सीबीआई का दुरुपयोग कर 'चंदे का धंधा' कर रहे हैं। रिपोर्ट्स में सामने आया है कि वसूली एजेंट बन चुकी एजेंसियों की जांच में फंसी 30 कंपनियों ने भाजपा को जांच के दौरान 335 करोड़ का चंदा दिया।' उन्होंने कहा, 'चंदे का धंधा इतनी बेशर्मी से चल रहा है कि मप्र की एक डिस्टिलरी के मालिकों ने बेल मिलते ही भाजपा को चंदा दिया। मित्र की कंपनी को बेईमानी से फायदा और बाकियों के लिए अलग कायदा, मोदी राज में भाजपा को दिया 'अवैध चंदा' और 'इलेक्ट्रोल बॉन्ड'' ही 'कारोबार में आसानी' की गारंटी है।

रूसी सेना की सेवाओं में शामिल न हों भारतीय नागरिक, सरकार ने दी सलाह

नई दिल्ली, । सरकार ने भारतीय नागरिकों को सलाह दी है कि वे रूस में सेना की सेवाओं में शामिल नहीं हों और संघर्ष से दूर रहें। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने भारतीय नागरिकों के रूस की सेना में शामिल होने और संघर्ष वाले इलाके में तैनाती संबंधी रिपोर्टों के बारे में मीडिया के सवालों पर कहा, 'हम जानते हैं कि कुछ भारतीय नागरिकों ने रूसी सेना में सहायक कामों के लिए नौकरी में सम्मिलित हुए हैं। भारतीय दूतावास के अधिकारी उन्हें इन सेवाओं से शीघ्र मुक्त करने के लिए नियमित रूप से संबंधित रूसी अधिकारियों के साथ इस मामले पर बातचीत कर रहे हैं।' ' श्री जायसवाल ने कहा, 'हम सभी भारतीय नागरिकों से आग्रह करते हैं कि वे उचित सावधानी बरतें और इस संघर्ष से दूर रहें।'

'भाजपा को मिले 335 करोड़ रुपये के चंदे' की न्यायालय की निगरानी में जांच हो: कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने शुक्रवार को सरकार पर जांच एजेंसियों के माध्यम से 30 कंपनियों को 'ब्लैकमेल करके' भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को 335 करोड़ रुपये का चंदा दिलवाने का आरोप लगाया और कहा कि इस मामले की उच्चतम न्यायालय की निगरानी में जांच होनी चाहिए तथा वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को 'श्वेत पत्र' लाना चाहिए। पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने दावा किया कि 'मोदी राज' में भाजपा को दिया गया 'अवैध चंदा' और चुनावी बॉन्ड ही कारोबारी सुगमता की गारंटी है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने केंद्र पर 'हफ्ता वसूली सरकार' होने का आरोप लगाया और कहा कि इस मामले की उच्चतम न्यायालय की निगरानी में जांच जरूरी है। कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को पत्र लिखकर सवाल किया कि क्या सरकार इस मामले पर 'श्वेत पत्र' लाने, बिंदुवार स्पष्टीकरण देने और उच्चतम न्यायालय की निगरानी में जांच के लिए तैयार है?

इस प्रकरण पर फिलहाल भारतीय जनता पार्टी या सरकार की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'क्या आपको प्रधानमंत्री की 'चंदा दो, बेल और बिजनेस लो' योजना के बारे में पता है? देश में प्रधानमंत्री 'वसूली भाई' की तरह ईडी, आयकर और सीबीआई का दुरुपयोग कर 'चंदे का धंधा' कर रहे हैं।' उन्होंने कहा, 'खबरों में सामने आया है कि वसूली एजेंट बन चुकी एजेंसियों की जांच में फंसी 30 कंपनियों ने भाजपा को जांच के दौरान 335 करोड़ रू का चंदा दिया। चंदे का धंधा इतनी बेशर्मी से चल रहा है कि एक डिस्टिलरी के मालिकों ने बेल मिलते ही भाजपा को चंदा दिया। मित्र की कंपनी को बेईमानी से फायदा और बाकियों के लिए अलग कायदा?' राहुल गांधी ने आरोप लगाया, 'मोदी राज में भाजपा को दिया 'अवैध चंदा' और चुनावी बॉन्ड ही कारोबारी सुगमता की गारंटी है।

हरियाणा सरकार ने किसानों के विरोध के बीच बजट में फसल ऋण पर ब्याज माफी की घोषणा की

चंडीगढ (एजेंसी)। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने शुक्रवार को वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 1.89 लाख करोड़ रुपये का बजट पेश करते हुए कुछ फसल ऋणों पर ब्याज और जुर्माना माफ करने की घोषणा की। बजट प्रस्तावों की घोषणा ऐसे समय में की गई जब किसानों ने पंजाब-हरियाणा सीमाओं पर अपना विरोध प्रदर्शन तेज कर दिया है।

खट्टर ने कहा कि उनकी सरकार ने किसानों के कल्याण के लिए कई कदम उठाए हैं और 14 फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) दिया जा रहा है। सरकार ने ड्यूटी के दौरान जान गंवाने वाले सैनिकों के परिवारों के लिए आर्थिक मुआवजे को दोगुना कर एक करोड़ रुपये करने का भी फैसला किया है।

खट्टर राज्य के वित्त मंत्री भी हैं। उन्होंने विधानसभा में बजट पेश करते हुए कहा, ''मैं 2024-25 के लिए 1,89,876.61 करोड़ रुपये का बजट प्रस्तावित करता हूं जो 2023-24 के 1,70,490.84 करोड़ रुपये (संशोधित अनुमान) से 11.37 प्रतिशत अधिक है।' उन्होंने एक बड़ी घोषणा में कहा कि किसानों द्वारा प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पीएसीएस) से लिए गए फसल ऋण पर ब्याज और जुर्माना माफ किया जाएगा।

उन्होंने कहा, ''मैं फसल ऋण पर ब्याज तथा जुर्माना माफ करने की घोषणा करता हूं। यदि फसल ऋण 30 सितंबर 2023 तक लिया गया हो और मूल राशि का भुगतान 31 मई 2024 तक कर दिया गया तो साथ ही किसान एमएफएमबी (मेरी फसल मेरा ब्योरा) के साथ पंजीकृत हो।' उन्होंने कहा कि ऐसे ऋण एमएफएमबी मंच पर पंजीकृत किसानों द्वारा लिया जाना चाहिए। उसके बाद किसान खरीफ सीजन में पीएसीएस से फसल ऋण के लिए पात्र होंगे।

मुख्यमंत्री की इस घोषणा के बाद विपक्ष के नेता भूपिंदर सिंह हुड्डा ने उनसे पूछा, ''आप किसानों की बात करते हैं, फिर आप किसानों पर एनएसए (राष्ट्रीय सुरक्षा कानून) क्यों लगाते हैं। किसान हरियाणा की सीमाओं पर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।' इसके जवाब में खट्टर ने कहा, ''जितने किसान आपके प्यारे हैं, उतने ही हमे भी हैं।' उन्होंने कहा, ''मैं किसान का बेटा हूं, मैं किसानों का दर्द समझता हूं। जब मैंने किसानों के हित में एक योजना की घोषणा की है, तो या तो आप इसे पचा नहीं पा रहे हैं या पसंद नहीं कर रहे हैं।'

इस बीच, हरियाणा पुलिस ने शुक्रवार को किसान आंदोलन का हिस्सा रहे कुछ किसान नेताओं के खिलाफ एनएसए के प्रावधानों को लागू करने के अपने फैसले को वापस लेने की शुक्रवार को जानकारी दी।

चंद्रमा के साउथ पोल पर उतरा पहला प्राइवेट स्पेसक्राफ्ट

–अमेरिकी कंपनी ने इतिहास रचा; भारत के चंद्रयान-3 के बाद ऐसा करने वाला दूसरा देश

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका की ह्यूस्टन बेस्ड प्राइवेट कंपनी इंट्यूटिव मशीन्स का लैंडर ओडिसियस चंद्रमा के साउथ पोल पर लैंड हो गया है। इसे 15 फरवरी 2024 को लॉन्च किया गया था। भारतीय समय के मुताबिक, 4 बजकर 53 मिनट पर स्पेसक्राफ्ट की लैंडिंग हुई। इसी के साथ ओडिसियस मून लैंडिंग करने वाला किसी प्राइवेट कंपनी का पहला स्पेसक्राफ्ट बन गया है।

वहीं, अमेरिका दूसरा देश है जो चंद्रमा के साउथ पोल पर उतरा। इससे पहले 23 अगस्त 2023 को भारत के चंद्रयान-3 की साउथ पोल पर सफल लैंडिंग हुई थी। लैंडिंग से पहले ओडिसियस के नेविगेशन सिस्टम में कुछ खराबी आई थी। इसके बावजूद लैंडिंग कराई गई। रिपोर्ट के मुताबिक, लैंडिंग के बाद ओडिसियस की जानकारी नहीं मिली है। उससे संपर्क भी नहीं है, लेकिन मिशन के डायरेक्टर टिम क्रेन ने कहा कि हम बिना किसी संदेह के कह सकते हैं कि ओडिसियस चांद की सतह पर मौजूद है।

चांद पर मौजूद धूल की स्टडी करेगा

ओडिसियस मून मिशन का मकसद चांद पर मौजूद धूल की स्टडी करना है। दरअसल, अपोलो मिशन पूरा करके लौटे अंतरिक्ष यात्रियों ने बताया था कि धूल की वजह से उनके इक्विपमेंट्स खराब हुए थे। इसलिए अब साइंटिस्ट समझाना चाहते हैं कि स्पेसक्राफ्ट के लैंड होने से उडने वाली धूल कैसे हवा में रहती है और फिर मून सरफेस पर बैठ जाती है।

न्यायालय के सवाल उठाने के बाद सरोगेसी कानून के पिछले नियमों में संशोधन

नई दिल्ली (एजेंसी)। उच्चतम न्यायालय के सवाल उठाने के बाद सरोगेसी नियमों में एक महत्वपूर्ण संशोधन किया गया है, जिसके बाद यदि पति-पत्नी में से कोई चिकित्सीय समस्या से पीड़ित है तो उन्हें दाता के अंडाणु या शुक्राणु का उपयोग करने की अनुमति होगी। न्यायालय ने केंद्र सरकार से पूछा था कि वह इस संबंध में कार्रवाई क्यों नहीं कर रही है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने पिछले नियमों में संशोधन किया है जिसमें कहा गया था कि 'सरोगेसी' (किराए की कोख) से संतान चाहने वाले जोड़ों के पास इच्छुक दाता जोड़े के अंडाणु और शुक्राणु होने चाहिए। शीर्ष अदालत की एक पीठ ने पिछले साल दिसंबर में दो दर्जन से अधिक याचिकाकर्ताओं को सरोगेसी के माध्यम से मां बनने के लिए दूसरी महिला के अंडाणुओं का उपयोग करने की अनुमति देते हुए कहा था, 'ऐसे नियमों से सरोगेसी का मूल उद्देश्य ही विफल हो जाएगा।' जनवरी में, न्यायालय ने केंद्र सरकार से पूछा था कि कई महिलाओं के शिकायतें लेकर शीर्ष अदालत पहुंचने के बावजूद वह निर्णय क्यों नहीं ले पा रही है। केंद्र की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने पिछले महीने कहा था कि सरकार पिछले साल सरोगेसी कानून में लाए गए संशोधन पर पुनर्विचार कर रही है। उल्लेखनीय है कि 14 मार्च, 2023 को सरोगेसी के नियम 7 में किए गए संशोधन के बाद शीर्ष अदालत में कई याचिकाएं दायर की गई थीं। नियम 7 में 'सरोगेट मां की सहमति और सरोगेसी के लिए समझौते' और पति के शुक्राणु से दाता के अंडाणुओं के निषेचन के बारे में बताया गया है।

बीजेपी में शामिल होने की अटकलों पर कमलनाथ ने लगाया विराम! राहुल गांधी की न्याय यात्रा पर कही बड़ी बात

नई दिल्ली (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने 23 फरवरी को कहा कि मध्य प्रदेश की जनता और कांग्रेस कार्यकर्ता राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा का स्वागत करने के लिए उत्साहित हैं। उनका यह बयान उनके कांग्रेस पार्टी से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में जाने की अफवाहों के बीच आया है। कमलनाथ ने अपने एक्स पोस्ट में कहा कि मध्यप्रदेश की जनता और कांग्रेस के कार्यकर्ता राहुल गांधी जी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा की अगवानी के लिए उत्साहित हैं। अन्याय, अत्याचार और शोषण के खिलाफ हम सबके नेता राहुल गांधी जी पूरे देश में सड़कों पर उतरकर एक निर्णायक लड़ाई का ऐलान कर चुके हैं।

कमलनाथ ने आगे कहा कि मैं मध्यप्रदेश की जनता और कांग्रेस के जाँबाज़ कार्यकर्ताओं से आग्रह करता हूँ कि भारत जोड़ो न्याय यात्रा में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर राहुल गांधी जी का संबल और साहस बनें। हम और आप मिलकर अन्याय के ख़िलाफ़ जारी इस महाअभियान को अंजाम तक पहुँचायेंगे। इससे पहले कमलनाथ और पार्टी के अन्य नेताओं ने यात्रा की तैयारियों की समीक्षा के लिए 'वर्चुअल' माध्यम से एक बैठक में भाग लिया था। कांग्रेस की मध्य प्रदेश इकाई के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि राज्य में चार दिनों की यात्रा के दौरान राहुल रोड शो और सभाएं करेंगे। वह छह मार्च को उज्जैन के प्रसिद्ध महाकालेश्वर मंदिर में पूजा-अर्चना करेंगे और धार जिले में एक जनसभा को संबोधित करेंगे।

बैठक में, कमलनाथ और दिग्विजय सिंह, राज्यसभा सदस्य विवेक तन्खा और जिन जिलों से यात्रा गुजरेगी, वहां से पार्टी के जिला प्रभारी समेत वरिष्ठ कांग्रेस नेता वर्चुअल माध्यम से शामिल हुए। यात्रा दो मार्च को राजस्थान से मुरैना में मध्य प्रदेश में प्रवेश करेगी। यह छह मार्च को सैलाना से फिर से राजस्थान में प्रवेश करने से पहले ग्वालियर, शिवपुरी, गुना, राजगढ़, शाजापुर, उज्जैन, धार और रतलाम से होकर गुजरेगी। राहुल छह मार्च को धार जिले के बदनावर कस्बे में एक जनसभा को संबोधित करेंगे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

अराजकता पर लगाम

किसी भी सोशल मीडिया मंच के दुरुपयोग को रोकना न केवल अनिवार्य, बल्कि अनुकरणीय भी है। किसान आंदोलन के समाधान में जुटी भारत सरकार ने इस आंदोलन के मद्देनजर सोशल मीडिया मंच 'एक्स' के दुरुपयोग पर आपत्ति जताई थी और अनेक अकाउंट व पोस्ट को हटाने का फरमान सुनाया था। जाहिर है, आदत से मजबूर एक्स ने कुछ इंतजार कराने के बाद ही भारत सरकार के आदेश की पालना की है। हालांकि, एक्स आपत्तिजनक खातों को केवल भारत के लिए प्रतिबंधित करेगा, शेष दुनिया में ये खाते व पोस्ट नजर आते रहेंगे। लगे हाथ एक्स ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का हवाला देते हुए इस कार्रवाई से अपनी वैचारिक असहमति भी जता दी है। क्या एक्स की यह टिप्पणी आपत्तिजनक नहीं है? क्या यह प्रश्न नहीं उठता कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता चीन या रूस जैसे देशों में कहां चली जाती है? 20 से ज्यादा देश हैं, जहां एक्स प्रतिबंधित है। हर देश को अपनी हित-चिंता का हक है, अतः भारत सरकार की चिंता भी जायज है। अधूरे मन से ही सही, एक्स को झुकना पड़ा है। लोग भूले नहीं हैं कि कर्नाटक उच्च न्यायालय ने पिछले साल 2021 टेकडाउन आदेशों को चुनौती देने वाली ट्विटर या एक्स की याचिका खारिज कर दी थी और समय पर कार्रवाई करने में नाकाम रहने के लिए अमेरिकी कंपनी पर 50 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया था। इस बार भी कार्रवाई के भय की वजह से ही आदेशों की पालना की है। हालांकि, उसे भारत की उदारता का स्वतः आदर करना चाहिए। यहां उदारता का अर्थ अनुशासनहीनता कतई नहीं है। वाकई इधर, एक्स पर कई टिप्पणियां ऐसी देखी गई हैं, जिनमें अपने निहित स्वार्थ की पूर्ति के लिए सरकार पर प्रहार किए गए हैं। कोई भी सरकार इस बात को स्वीकार नहीं करेगी कि उसके खिलाफ किसी सोशल मंच पर अविश्वास को बढ़ाया जाए। ऐसी टिप्पणियां भी सामने आई हैं, जिनमें हिंसा भड़काने या लोगों को उकसाने की साजिश साफ झलकती है। पिछले किसान आंदोलन के समय ही दिल्ली के लाल किले पर जो हिंसक हमला हुआ था, उसे कौन भूल सकता है? वैसी ही किसी साजिश को अंजाम देने की कोई कोशिश समय रहते नाकाम की जाए, तो इसमें बुराई नहीं है। देश में सेवाएं दे रहे तमाम सोशल मीडिया मंचों को साफ तौर पर यह संदेश देना चाहिए कि भड़काने की कोई साजिश स्वीकार्य नहीं होगी। किसी भी तरह की मांग केवल लोकतंत्र और संविधान के दायरे में हो, यह सुनिश्चित करने में कोई बुराई नहीं है। सोशल मीडिया में ऐसी अनेक टिप्पणियां दिख जाती हैं, जिनके लिए कारावास की सजा हो सकती है या जुर्माना लग सकता है। जहां तक एक्स का सवाल है, तो यह कंपनी पहले ही 50 लाख रुपये के जुर्माने से बचने के लिए अदालत में गुहार लगा रही है। हालांकि, ऐसे मामलों में अदालतों को जल्दी फैसला लेना चाहिए। सोशल मीडिया कंपनियों की मनमानी पर लगाम लगनी ही चाहिए। ऐसे मंचों पर अपने विचार रखने वालों को पता होना चाहिए कि कोई भी कानून या समाज या देश विरोधी टिप्पणी भारी पड़ सकती है। सरकार के आदेश पर 42 एक्स खातों और 49 लिंक को प्रतिबंधित किया गया है, पर क्या इतना ही पर्याप्त है? सोशल मंचों के दुरुपयोग को रोकने के साथ-साथ लोगों की नाराजगी को दूर करने की कोशिशें भी मुस्तैदी से होनी चाहिए। नफरत फैलाने वाले या सामाजिक सद्भाव से खेलने वाले जिस किसी दल या संगठन के हों, प्रतिबंध और दंड के हकदार हैं।

आज का राशिफल

मेष पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। आपके वर्चस्व तथा प्रभाव में वृद्धि होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।

वृषभ जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। रुके हुए कार्य सम्पन्न होंगे। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे।

मिथुन प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। आर्थिक लाभ होगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा।

कर्क पारिवारिक जनों के मध्य सुखद समाचार मिलेगा। रोजी रोजगार के प्रयास सफल होंगे। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

सिंह व्यावसायिक योजना सफल होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। वाणी की सौम्यता से रुके हुए कार्य सम्पन्न होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे।

कन्या जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।

तुला पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है।

वृश्चिक आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। व्यावसायिक दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। विरोधियों का पराभव होगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मकर राजनैतिक दिशा में किए गए प्रयास फलीभूत होंगे। व्यावसायिक व पारिवारिक समस्याएं रहेंगी। आर्थिक संकट से गुजरना होगा। वाणी की सौम्यता आपको सम्मान दिलायेगी।

कुम्भ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। टकराव की स्थिति आपके लिए हितकर नहीं होगी। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। धन आगमन होगा। कुटुम्बजनों का सहयोग मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

मीन कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। भारी व्यय का सामना करना पड़ेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

युवाओं में तनाव से उपजा हृदयाघात का बड़ा जोखिम

के.के. तलवार

पिछले कुछ समय से अपेक्षाकृत कम उम्र वालों में अचानक मौत या हृदयाघात के मामलों में उछाल देखने को मिला है, इनमें कुछ प्रसिद्ध हस्तियां भी शामिल हैं। इन प्रसंगों से संभावित कारणों और रोकथाम उपायों को लेकर विमर्श शुरू हुआ। एक नजरिया कहता है कि विश्वभर में इस किस्म के मामले संभवतः कोविड-19 महामारी के बाद अधिक घटित हो रहे हैं।भारत में कुल हृदयाघात में लगभग 20 फीसदी मामले 40 साल से कम उम्र वालों के हैं जबकि पश्चिमी जगत में यह वर्ग 5 प्रतिशत है। अचानक मृत्यु का सबसे आम कारण है माइयोकार्डियल इन्फक्शन/हार्ट अटैक। युवाओं में हृदयाघात के लिए धूम्रपान सबसे अधिक जोखिम पैदा करने वाला माना जाता है। खतरे के अन्य अवयवों में अत्यधिक शराब सेवन, मधुमेह-रक्तचाप-कोलेस्ट्रॉल का उच्च स्तर, नशाखोरी और जंक फूड का ज्यादा उपयोग और महिलाओं के मामले में गर्भनिरोधक गोलियों का सेवन है।ऐसी चिंताए भी जताई गई हैं कि क्या इस उछाल के पीछे कोविड संक्रमण या इसकी वैक्सीन भी एक कारक है। कोविड वैक्सीन को दोषी ठहराने का कोई ठोस वैज्ञानिक आधार नहीं है। हां, कुछ प्रकाशित डाटा ने एमआरएनए वैक्सीन से जुड़ी माइयोकार्डिटीज़ कार्डियोवैस्कुलर कॉम्पलिकेशंस की ओर इशारा जरूर किया है। लेकिन यह वैक्सीन भारत में इस्तेमाल नहीं हुई। हाल ही में, भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद द्वारा प्रकाशित एक अध्ययन बताता है कि जिन लोगों को कोविड संबंधी लक्षण बिगड़ने के बाद अस्पताल में भर्ती होने की नौबत बनी थी, उनमें अचानक मृत्यु या हृदयाघात का जोखिम अधिक रहा। मुख्य अवयवों में तनाव का हिस्सा बहुत बड़ा है। न्यूयॉर्क टाइम्स का एक लेख बताता है कि दिल का सबसे बुरा दुश्मन तनाव है। इस बात की संभावना है कि कोविड महामारी के बाद उत्पन्न स्थिति जैसे कि नौकरी चले जाना और वित्तीय मुश्किलों से बना मनोवैज्ञानिक तनाव एक वजह है। देखा गया है कि जिन लोगों में अपनी नौकरी चले जाने का भय है, उनमें दिल का दौरा पड़ने की संभावना लगभग 20 फीसदी बढ़ जाती है। कई मर्तबा, तनाव व्यक्ति को अस्वास्थ्यकर आदतों में धकेल देता है जैसे कि धूम्रपान और जंक फूड सेवन और नींद उड़ जाना। अत्यधिक व्यस्तता भरी कार्यशैली, टारगेट पूरा करने के दबाव या नौकरी असुरक्षित होना तनाव पैदा करता है। यह तथ्य वैज्ञानिक तौर पर सिद्ध है कि तनाव दिल की सेहत के लिए बहुत खतरनाक है। तनाव से न्यूरोएंडोक्राइन की सक्रियता बढ़ जाती है, जिससे कैटकोलमिंस और कॉर्टिसोल के उत्पादन में बढ़ोतरी हो जाती है। इसके अलावा प्लाज्मा प्रोइंफ्लेमैट्री/साइटोकाइन्स/ प्रोथ्रोम्बोटिक्स और इम्यून सिस्टम एक्टिवेशन में इजाफा हो जाता है। इन सबके प्रभाव से हृदय की धड़कन और रक्तचाप में बदलाव होता है और माइयोकार्डियल ऑक्सीजन की जरूरत बढ़ जाती है। इंफ्लेमैट्री प्रोसेस कोरोनरी धमनियों में एथेरोस्कलेरोटिक प्लाक की टूटन शुरू कर सकता है, परिणामवश दिल का सख्त दौरा पड़ सकता है। मानसिक तनावों के नतीजे में कोरोनरी आर्टरी स्पाज़्म और वैसोकॉन्सट्रिक्शन पैदा हो सकते हैं और इससे पहले से व्याधिग्रस्त धमनियों में रक्त प्रवाह में फर्क पड़ जाता है। अमिग्डला, दिमाग का वह हिस्सा जो तनाव उत्पन्न करने में भूमिका रखता है, परेशानी की हालत बनने पर उसकी सक्रियता बढ़ जाती है। संभवतः यह न्यूरोएंडोक्राइन सिस्टम को सक्रिय करता है, जिससे ऐसे रसायन बनते हैं कि व्यक्ति या तो तनाव का सामना करेगा या फिर मैदान छोड़कर भागने वाली सोच अपना लेगा, करवट किस ओर होगी, यह तनाव की किस्म और किसी की व्यक्तिगत सहनशीलता के स्तर पर निर्भर है। उम्र बढ़ने के साथ जिंदगी में कुछ बढ़िया कर दिखाने या उपलब्धि की प्रक्रिया में तनाव एक हिस्सा है। कुछ मात्रा में इसका होना सकारात्मक भूमिका निभाता है क्योंकि यह व्यक्ति को और अधिक मेहनत करने को प्रेरित करता है जैसे कि इम्तिहानों में अच्छा कर दिखा लेना या पेशे में उन्नति अथवा प्राप्ति। लेकिन नौकरी चले जाना या वैवाहिक संबंध टूटने जैसे प्रसंग इंसान के मानसिक स्थायित्व को प्रभावित करते हैं और मजबूत पारिवारिक अथवा सामाजिक साथ की अनुपस्थिति में इस किस्म के

हालातों का सामना करने की मानसिक दृढ़ता कमजोर पड़ जाती है। इसलिए जहां मेडिकल परामर्श में धूम्रपान से दूर रहना, स्वास्थ्यप्रद भोजन और नियमित व्यायाम करने जैसे रोकथाम उपायों की सलाह दी जाए, वहीं तनाव के स्तर और इससे निपटने के बारे में बात करना अहम है। यह भी तथ्य है कि तनाव से निपटना आसान नहीं होता। कोई एक उपाय जो सबके लिए कारगर हो, ऐसा कुछ नहीं है। तनाव में कमी करना स्विच बंद कर देने जैसा नहीं होता। इसके लिए लगातार प्रयास और साथ देने वाले परिवार-मित्र-सामाजिक सुरक्षा व्यवस्था की जरूरत है। चूंकि व्यायाम करना व्यक्ति की तनाव झेलने की शक्ति में इजाफा करता है इसलिए नियमित जारी रखने की सलाह दी जानी चाहिए। जब कोई व्यायाम करता है तो एक तरह से अपने तनाव को खपा रहा होता है। एरोबिक एक्सरसाइज, योग और ध्यान भी मानस को दृढ़ता देने में सहायक होते हैं। मित्रों-रिश्तेदारों से अपनी फिक्र और अंदरूनी भावना को साझा करने से सकारात्मक रुख बनाने में मदद मिलती है। जिन लोगों से आप प्यार करते हैं उनके साथ संपर्क बनाए रखना, प्रेरणात्मक किताबें पढ़ना, संगीत सुनना और किसी रुचिकर गतिविधि में व्यस्त होना तनाव झेलने की शक्ति में इजाफा करता है। दुर्भाग्यवश, निरंतर सिकुड़ते जा रहे परिवार से रिवायती पारिवारिक संबल क्षीण पड़ रहा है। इसकी अनुपस्थिति में, कुछ लोगों में तनाव गंभीर मेडिकल समस्याएं जैसे कि अवसाद और नींद न आना पैदा कर सकता है, जिससे उनमें दिल का दौरा और अचानक मौत होने का जोखिम बढ़ जाता है। अधिकांश विकसित देशों में सामाजिक सुरक्षा व्यवस्था ऐसी है कि नौकरी न रहने पर व्यक्ति को जीने लायक बेरोजगारी भत्ता मिलता है। यहां कॉर्पोरेट सेक्टर को ऐसा वातावरण बनाने की जरूरत है जिससे तनाव कम हो और सरकार को भी तनाव-काल में व्यक्ति की मदद करने वाली सामाजिक सुरक्षा व्यवस्था बनानी चाहिए। हृदयरोग की रोकथाम के लिए स्वच्छता, प्रदूषण रहित वातावरण और सुरक्षित पेयजल की उपलब्धता पर काम करने की जरूरत है। स्कूलों में बच्चों और कॉलेज में युवाओं को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की महत्ता के बारे में पढ़ाया जाना चाहिए, जिसमें नियमित व्यायाम, जंक फूड और धूम्रपान से दूरी और शराब सेवन घटाना शामिल हो। हाइपरटेंशन, डायबिटीज़ मेलिट्स और उच्च कोलेस्ट्रॉल लेवल के मामलों में डॉक्टरी परामर्श जरूरी है। कुछ युवाओं में एर्रहिथ्मिक या मायोकार्डियल बीमारी पुश्तैनी होती है, जिसके चलते अचानक मृत्यु हो सकती है। इसलिए जिनके परिवार में यह व्याधि पीढ़ी-दर-पीढ़ी है उन्हें समय-समय पर दिल की जांच और एहतियाती उपचार करते रहना चाहिए। सच में तनाव दिल का बैरी है और अपने युवाओं को इसका सामना प्रभावशाली ढंग से करने के वास्ते जागरूक बनाने की आवश्यकता है।

लेखक पीजीआईएमईआर के पूर्व निदेशक हैं।

जीवन पर्यन्त कुरीतियों का विरोध करते रहे संत रविदास

(लेखक- योगेश कुमार गोयल)

(संत रविदास जयंती (24 फरवरी) पर विशेष)

समस्त भारतीय समाज को भेदभाव से ऊपर उठकर मानवता और भाईचारे की सीख देने वाले 15वीं सदी के महान् समाज सुधारक संत रविदास का जन्म वाराणसी के गोवर्धनपुर गांव में माघ पूर्णिमा के दिन हुआ था। इसीलिए प्रतिवर्ष माघ पूर्णिमा के ही दिन उनकी जयंती मनाई जाती है। इस वर्ष माघ पूर्णिमा 24 फरवरी को है, इसीलिए इसी दिन संत रविदास जयंती मनाई जा रही है। महान् संत, समाज सुधारक, साधक और कवि रविदास ने जीवन पर्यन्त छुआछूत जैसी कुरीतियों का विरोध करते हुए समाज में फैली तमाम बुराईयों के खिलाफ पुरजोर आवाज उठाई और उन कुरीतियों के खिलाफ निरन्तर कार्य करते रहे। उनका जन्म ऐसे विकट समय में हुआ था, जब समाज में घोर अंधविश्वास, कुप्रथाओं, अन्याय और अत्याचार का बोलबाला था, धार्मिक कट्टरपंथता चरम पर थी, मानवता कराह रही थी। उस जमाने में मध्यमवर्गीय समाज के लोग कथित निम्न जातियों के लोगों का शोषण किया करते थे। ऐसे विकट समय में समाज सुधार की बात करना तो दूर की बात, उसके बारे में सोचना भी मुश्किल था लेकिन जूते बनाने का कार्य करने वाले संत रविदास ने आध्यात्मिक ज्ञान अर्जित करने के लिए समाधि, ध्यान और योग के मार्ग को अपनाते हुए असीम ज्ञान प्राप्त किया और अपने इसी ज्ञान के जरिये पीड़ित समाज एवं दीन-दुखियों की सेवा कार्य में जुट गए। उन्होंने अपनी सिद्धियों के जरिये समाज में व्याप्त आडम्बरों, अज्ञानता, झूठ, मक्कारी और अधार्मिकता का भंडाफोड़ करते हुए समाज को जागृत करने और नई दिशा देने का प्रयास किया।

संत रविदास को 'रैदास' के नाम से भी जाना जाता है। वे गंगा मैया के अनन्य भक्त थे। संत रविदास को लेकर 'मन चंगा तो कठौती में गंगा' कहावत बहुत प्रचलित है। इस कहावत का संबंध संत रविदास की महिमा को परिलक्षित करता है। वे जूते बनाने का कार्य किया करते थे और इस कार्य से उन्हें जो भी कमाई होती, उससे वे संतों की सेवा किया करते और उसके बाद जो कुछ बचता, उसी से परिवार का निर्वाह करते थे। एक दिन रविदास जूते बनाने में व्यस्त थे कि तभी उनके पास एक ब्राह्मण आया और उनसे कहा कि मेरे जूते टूट गए हैं, इन्हें ठीक कर दो। रविदास उनके जूते ठीक करने लगे और उसी दौरान उन्होंने ब्राह्मण से पूछ लिया कि वे कहां जा रहे हैं? ब्राह्मण ने जवाब दिया, ''मैं गंगा स्नान करने जा रहा हूं पर चमड़े का काम करने वाले तुम क्या जानो कि इससे कितना पुण्य मिलता है!'' इस पर रविदास जी ने कहा कि आप सही कह रहे हैं ब्राह्मण देवता, हम नीच और मलिन लोगों के गंगा स्नान करने से गंगा अपवित्र हो जाएगी। जूते ठीक होने के बाद ब्राह्मण ने उसके बदले उन्हें एक कौड़ी मूल्य देने का प्रयास किया तो संत रविदास ने कहा कि इस कौड़ी को आप मेरी ओर से गंगा मैया को 'रविदास की भेंट' कहकर अर्पित कर देना।

ब्राह्मण गंगाजी पहुंचा और स्नान करने के पश्चात् जैसे ही उसने रविदास द्वारा दी गई मुद्रा यह कहते हुए गंगा में अर्पित करने का प्रयास किया कि गंगा मैया रविदास की यह भेंट स्वीकार करो, तभी जल में से स्वयं गंगा मैया ने अपना हाथ निकालकर ब्राह्मण से वह मुद्रा ले ली और मुद्रा के बदले ब्राह्मण को एक सोने का कंगन देते हुए वह कंगन रविदास को देने का कहा। सोने का रत्न जड़ित अत्यंत सुंदर कंगन देखकर ब्राह्मण के मन में लालच आ गया और उसने विचार किया कि घर पहुंचकर वह यह कंगन अपनी पत्नी को देगा, जिसे पाकर वह बेहद खुश हो जाएगी। पत्नी ने जब वह कंगन देखा तो उसने सुझाव दिया कि क्यों न रत्न जड़ित यह कंगन राजा को भेंट कर दिया जाए, जिसके बदले वे प्रसन्न होकर हमें मालामाल कर देंगे। पत्नी की बात सुनकर ब्राह्मण राजदरबार पहुंचा और कंगन राजा को भेंट किया तो राजा ने ढ़ेर सारी मुद्राएं देकर उसकी झोली भर दी। राजा ने प्रेमपूर्वक वह कंगन अपनी महारानी के हाथ में पहनाया तो महारानी इतना सुंदर कंगन पाकर इतनी खुश हुई कि उसने राजा से दूसरे हाथ के लिए भी वैसे ही कंगन की मांग की।

राजा ने अगले ही दिन ब्राह्मण को दरबार बुलाया और उसे वैसा ही एक और कंगन लाने का आदेश देते हुए कहा कि अगर उसने तीन दिन में कंगन लाकर नहीं दिया तो वह दंड का पात्र बनेगा। राजाज्ञा सुनकर बेचारे ब्राह्मण के होश उड़ गए। वह गहरी सोच में डूब गया कि आखिर दूसरा कंगन वो कहां से लाएगा? उसे जब और कोई रास्ता नहीं सूझा तो उसने निश्चय किया कि वह संत रविदास के पास जाकर उन्हें सारे वाकये की जानकारी देगा कि कैसे गंगा मैया ने स्वयं यह कंगन उसे उन्हें देने के लिए दिया था, जो उसने लोभवश अपने पास रख लिया। अंततः यही सोचकर वह रविदास जी की कुटिया में जा पहुंचा। रविदास उस समय प्रभु का स्मरण कर रहे थे। ब्राह्मण ने जब उन्हें सारे वृत्तांत की विस्तृत जानकारी दी तो रविदास जी ने उनसे नाराज हुए बगैर कहा कि तुमने मन के लालच के कारण कंगन अपने पास रख लिया, इसका पछतावा मत करो। रही बात राजा को देने के लिए दूसरे कंगन की तो तुम उसकी चिंता भी मत करो, गंगा मैया तुम्हारे मान-सम्मान की रक्षा करेंगी। यह कहते हुए उन्होंने अपनी वह कठौती (चमड़ा भिगोने के लिए पानी से भरा पात्र) उठाई, जिसमें पानी भरा हुआ था और जैसे ही गंगा मैया का आव्हान करते हुए अपनी कठौती से जल छिड़का, गंगा मैया वहां प्रकट हुई और रविदास जी के आग्रह पर उन्होंने रत्न जड़ित एक और कंगन उस ब्राह्मण को दे दिया। इस प्रकार खुश होकर ब्राह्मण राजा को कंगन भेंट करने चला गया और रविदास जी ने उसे अपने बड़प्पन का जरा भी अहसास नहीं होने दिया। ऐसे थे महान संत रविदास जी, जिनकी आज हम जयंती मना रहे हैं।

(लेखक 34 वर्षों से साहित्य एवं पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

विचार मंथन

अपने पैर में कुल्हाड़ी नहीं कुल्हाडा मारती है कांग्रेस

(लेखक- सनत जैन)

कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार है। कांग्रेस की सरकार ने विधानसभा में कर्नाटक हिंदू धार्मिक संस्थान और धर्मार्थ बंदोबस्ती संशोधन विधेयक 2024 पारित किया है। इस विधेयक के अनुसार कर्नाटक के हिंदू मंदिरों के ऊपर टैक्स लगाया गया है। 10 लाख से एक करोड रुपए तक की आय पर मंदिरों को 5 फ़ीसदी टैक्स देना होगा। एक करोड रुपए से ज्यादा आय वाले मंदिरों को 10 फीसदी टैक्स राज्य सरकार को देना होगा। जैसे ही यह बिल पारित हुआ। उसके बाद भारतीय जनता पार्टी ने कर्नाटक सरकार और कांग्रेस के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। सारे देश के हिंदू संगठन कर्नाटक सरकार की इस कार्रवाई के खिलाफ खड़े हो गए। भारतीय जनता पार्टी ने इसे हिंदू विरोधी मानसिकता बताते हुए, सारे देश में इस टेक्स का विरोध करना शुरू कर दिया है। सोशल मीडिया में भी कर्नाटक सरकार के इस कानून का बड़े पैमाने पर विरोध शुरू कर दिया गया है। कांग्रेस के ऊपर आरोप लगाया जा रहा है,कि अब कांग्रेस की हिंदू मंदिरों के राजस्व पर कुदृष्टि पड़ गई है। ऐसा लगता है कि कांग्रेस नेताओं की या तो राजनीतिक समझ खत्म हो गई है,या जानबूझकर कांग्रेस के नेता पार्टी को ठिकाने लगाने, हर वह कोशिश कर रहे हैं। जो पार्टी को नेस्त-नाबूत कर दे। कुछ महीनो के पश्चात लोकसभा के चुनाव होना है। राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के बाद भारतीय जनता पार्टी द्वारा एक बड़ा अभियान चलाया जा रहा है। दक्षिण के राज्यों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वयं जाकर राम मंदिर के नाम पर धार्मिक वातावरण बनाने का प्रयास किया। भारत में धार्मिक ध्रुवीकरण को लेकर जब इतनी बड़ी राजनीति चल रही हो। ऐसे समय पर कांग्रेस का यह कदम आत्मघाती ही माना जाएगा। ग्रामीण जनों की भाषा में कहें ,तो कांग्रेस अपने पैर में कुल्हाड़ी नहीं कुल्हाडा मारकर अपना स्थाई नुकसान करती है। राजनीति में आत्महत्या करना है, किसी को सीखना है, तो कांग्रेस नेताओं से यह सीख ली जा सकती है। कर्नाटक सरकार को मंदिरों के दान से जितना टैक्स मिलेगा। उससे सैकड़ो गुना कांग्रेस ने अपने लिए नुकसान कर लिया है। भारतीय जनता पार्टी अब कर्नाटक सरकार के ऊपर आरोप लगा रही है, कि कर्नाटक सरकार ने 445 करोड रुपए का राजस्व मंदिरों से जुटाएगी उसमें से मात्र 100 करोड रुपए वक्फ बोर्ड को आवंटित किए हैं। वहीं राज्य सरकार ने 200 करोड रुपए का बजट ईसाई समुदाय के लिए आवंटित किया है। कर्नाटक सरकार की इस कार्रवाई पर, भारतीय जनता पार्टी ने नए धार्मिक ध्रुवीकरण की आधारशिला रख दी है। इसका असर कर्नाटक में ही नहीं संपूर्ण देश में होगा। एक तरफ मंदिरों पर टैक्स लगाने को हिंदू विरोधी बताया जा रहा है। वहीं मुसलमानों के लिए केवल बजट में 100 करोड रुपए आवंटित करने तथा ईसाइयों के लिए 200 करोड रुपए आवंटित करने की बात कहकर धार्मिक आधार पर ध्रुवीकरण का काम शुरू कर दिया है। भाजपा ने कर्नाटक सरकार और कांग्रेस को निशाने पर ले लिया है। मल्लिकार्जुन खड़गे दलित नेता है। वह राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं। कर्नाटक के स्थाई निवासी हैं। इंडिया गठबंधन के नेताओं ने उन्हें इंडिया गठबंधन का संयोजक बनाया है। कांग्रेस की ओर से वह प्रधानमंत्री पद के लिए इस बार दलित चेहरे के रूप में सामने आए हैं। इसके बाद भी उनके ही राज्य में कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने लोकसभा चुनाव के ठीक पहले, यदि मंदिरों की दान से प्राप्त आय पर टैक्स लगाने के लिए कानून पारित किया है। उसका नुकसान कांग्रेस पार्टी को राष्ट्रीय स्तर पर उठाना पड़ेगा, यह तय है। कांग्रेस की आंतरिक राजनीति और कांग्रेस की राजनीतिक समझ का पता भी इस कानून से लगता है। कांग्रेस नेताओं को कितनी राजनीति की समझ है। ऐसा लगता है कि कांग्रेस में संगठन नाम की कोई चीज नहीं है।

जैसे बिना राजा की फौज होती है। वैसे ही कांग्रेस की फौज कांग्रेस के लिए जगह-जगह परेशानी पैदा करने का कोई मौका नहीं छोड़ती है। कर्नाटक में जब भाजपा की सरकार थी। उस समय भी मंदिरों से राजस्व जुटाया जा रहा था। धार्मिक संस्थाओं के लिए प्रबंधन के कानून बनाए गए। कांग्रेस की सरकार अभी बनी है, इसके पहले भारतीय जनता पार्टी की सरकार थी। कांग्रेस ने ऐसे समय पर टेक्स विधेयक पास कराया है । जब लोकसभा के चुनाव होना है। कर्नाटक से एचडी देवगोड़ा प्रधानमंत्री पद पर रह चुके हैं। जो अब भाजपा गठबंधन के साथ हैं। एक दलित नेता प्रधानमंत्री ना बन जाए, इसके लिए भी कर्नाटक राजनीति की यह एक कोशिश हो सकती है। ऐसा कर्नाटक की राजनीतिक चर्चाओं में संभावना व्यक्त की जा रही है। कर्नाटक सरकार के इस विधेयक को लेकर भाजपा को सारे देश में कांग्रेस के ऊपर हमला करने का एक मौका खुद कांग्रेस ने दिया है। यही कहा जा सकता है।

जेएफएसएल का मार्केट कैप 2 लाख करोड़ के पार

मुंबई । जियो फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिडेट (जेएफएसएल) का मार्केट कैप पहली बार 2 लाख करोड़ रुपए के पार पहुंच गया है। शुक्रवार को जेएफएसएल के शेयर ने 14.50 फीसदी की तेजी के साथ 347 रुपए का सार्वकालिक उच्च स्तर बनाया। हालांकि, दोपहर 12 बजे के बाद अपने हाई से थोड़ा नीचे आकर शेयर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में 9.62 फीसदी की तेजी के साथ 332.20 रुपए के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इस प्राइस पर कंपनी का मार्केट कैप 2.11 लाख करोड़ है। वहीं रिलायंस इंडस्ट्रीज भी 2,989 रुपए का सार्वको लिक उच्च स्तर बनाया है। 6 महीने पहले जियो फाइनेंशियल अपनी मूल कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड से अलग हुई थी। डीमर्जर के बाद प्राइस डिस्कवरी मैकेनिज्म के तहत जियो फाइनेंशियल के शेयर का भाव 261.85 रुपए तय हुआ था। इसके बाद 21 अगस्त 2023 को बीएसई पर कंपनी का शेयर 265 रुपए पर लिस्ट हुआ था। वहीं एनएसई पर शेयर 262 रुपए पर लिस्ट हुआ था। शेयर बाजार में फिलहाल 39 कंपनियां दो लाख करोड़ रुपए से अधिक के मार्केट कैप के साथ कारोबार कर रही हैं। इसमें रिलायंस इंडस्ट्रीज 20.05 लाख करोड़ रुपए के मार्केट कैप के साथ सबसे बड़ी कंपनी है। इसके बाद टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और एचडीएफसी बैंक क्रमशः 14.78 लाख करोड़ रुपए और 10.78 लाख करोड़ रुपए के साथ दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं।

बायजू के ईजीएम में शामिल नहीं होंगे सीईओ रवींद्रन

नई दिल्ली । बायजू के एक प्रवक्ता ने कहा कि बायजू रवींद्रन या कोई अन्य बोर्ड सदस्य इस अमान्य ईजीएम में शामिल नहीं होंगे। यानी कि अभी बुलाए जाने पर भी ईजीएम में जरूरी कोरम नहीं होगा और एजेंडा पर चर्चा या मतदान को आगे नहीं बढ़ाया जा सकता है। बायजू की मूल शिक्षा प्रौद्योगिकी कंपनी थिंक एंड लर्न प्राइवेट लिमिटेड के संस्थापक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) रवींद्रन बायजू के साथ-साथ निदेशक मंडल के सदस्य भी कंपनी के चुनिंदा निवेशकों द्वारा बुलाई गई असाधारण आम बैठक (ईजीएम) में शामिल नहीं होंगे। बायजू के शेयरधारक कथित कुप्रबंधन और विफलताओं को लेकर संस्थापक सीईओ बायजू रवींद्रन और उनके परिवार के सदस्यों को बाहर करने के लिए कुछ निवेशकों द्वारा लाए गए प्रस्ताव पर शुक्रवार को मतदान करेंगे।

आइडियाफोर्ज अमेरिकी ड्रोन बाजार में प्रवेश करेगी

वाशिंगटन । भारतीय ड्रोन निर्माता कंपनी आईडियाफोर्ज के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि भारत के ड्रोन उद्योग ने पिछले 10 वर्षों में बड़ी छलांग लगाई है और कोविड-19 वैश्विक महामारी के बाद इसमें तेजी आई है। आइडियाफोर्ज अमेरिकी ड्रोन बाजार में ऐसे समय में प्रवेश कर रही है जब वहां चीन में बने ड्रोन को खरीदने को लेकर अनिच्छा है। अे धिकारी ने कहा कि कोविड-19 वैश्विक महामारी के बाद से इस क्षेत्र में तेजी आई है। मुझे लगता है कि वैश्विक महामारी से पहले ड्रोन के संबंध में नियम और कानून काफी सख्त थे। इससे पहले वे उपयोग तथा तैनाती के मामले में बहुत अधिक लचीलेपन की अनुमति नहीं देते थे। उन्होंने कहा` कि वैश्विक महामारी के बाद से प्रौद्योगिकी को अपनाने का रास्ता खुला। अब लोग यथासंभव अधिक से अधिक ड्रोन का इस्तेमाल करना चाहते हैं। इसलिए हम प्रौद्योगिकी को अपनाने की प्रबल इच्छा रखते हैं। हम ऐसा करने के लिए बहुत अधिक नियामक समर्थन देख रहे हैं।

अदाणी समूह की सीमेंट कंपनी 1000 करोड़ का करेगी निवेश

नई दिल्ली ।

अदाणी समूह की सीमेंट कंपनी अंबुजा ने अपनी सहायक कंपनी एसीसी लिमिटेड के साथ हाल ही में सांघी इंडस्ट्रीज लिमिटेड का अधिग्रहण किया है, जिसकी देश भर में 18 एकीकृत सीमेंट विनिर्माण संयंत्रों और 14 सीमेंट पीसने वाली इकाइयों के साथ 74.6 एमटीपीए की क्षमता है। अंबुजा सीमेंट्स झारखंड में 6 एमटीपीए की संयुक्त क्षमता के साथ दो सीमेंट प्लांट संचालित करती है। अंबुजा सीमेंट्स ने कहा कि उसने झारखंड के गोड्डा जिले में सीमेंट ग्राइंडिंग यूनिट स्थापित करने के लिए 1,000 करोड़ रुपये का निवेश करने की योजना बनाई है। अंबुजा सीमेंट्स लिमिटेड (एसीएल) ने कहा कि नई 4 मिलियन टन प्रति वर्ष (एमटीपीए) सीमेंट ग्राइंडिंग इकाई आवश्यक मंजूरी के बाद स्थापित की जाएगी। यह परियोजना पर्यावरण की दृष्टि से सुरक्षित तरीके से फ्लाई ऐश के निपटान और सर्कुलर अर्थव्यवस्था में योगदान करने के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण के हिस्से के रूप में अदानी पावर (झारखंड) लिमिटेड के नजदीक में योजना बनाई गई है। इसमें 2,500 से

अधिक लोगों को अप्रत्यक्ष रोजगार मिला है। अंबुजा सीमेंट्स झारखंड में 6 एमटीपीए की संयुक्त क्षमता के साथ दो सीमेंट संयंत्र संचालित करता है। कंपनी ने कहा कि झारखंड में संसाधनों, बुनियादी ढांचे और कुशल जनशक्ति के मामले में अपार संभावनाएं हैं, जो इसे इस परियोजना के लिए एक आदर्श स्थान बनाता है। हम इस परियोजना के सफल कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए राज्य के साथ मिलकर काम करने के लिए तत्पर हैं।

कृषि कर्ज जनवरी तक 20 लाख करोड़ के पार

नई दिल्ली । पीएम नरेन्द्र मोदी सरकार के पिछले 10 साल के कार्यकाल में कृषि क्षेत्र में बैंक कर्ज तेजी से बढ़ गया है। बैंकों ने चालू वित्त वर्ष 2023-24 की अप्रैल-जनवरी के दौरान 20.39 लाख करोड़ रुपए कर्ज का वितरण किया है, जबकि पूरे 2013-14 में किसानों को 7.3 लाख करोड़ रुपए का कर्ज दिया गया था। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। सरकार ने वित्त वर्ष 2023-24 के बजट में कृषि ऋण लक्ष्य 20 लाख करोड़ रुपए निर्धारित किया था। बैंक पहले ही लक्ष्य पार कर चुके हैं और इस वित्त वर्ष में यह आंकड़ा 22 लाख करोड़ रुपए को पार कर सकता है। कृषि मंत्रालय ने किसानों को सालाना 7 प्रतिशत के कम ब्याज पर कृषि ऋण उपलब्ध कराने के लिए 3 लाख रुपए तक के अल्पकालिक फसल कर्ज को लेकर ब्याज छूट योजना लागू की हुई है। योजना के तहत बैंकों को उनके संसाधनों के उपयोग पर प्रतिवर्ष 2 प्रतिशत की ब्याज छूट दी जाती है। इसके अलावा ऋण का समय पर भुगतान करने पर किसानों को 3 प्रतिशत अतिरिक्त प्रोत्साहन दिया जाता है, जिससे ब्याज दर कम होकर 4 प्रतिशत हो जाती है।

इंफोसिस के सीईओ पारेख यूएसआईएसपीएफ निदेशक मंडल में शामिल

वाशिंगटन । इंफोसिस के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एवं प्रबंध निदेशक सलिल पारेख यूएस-इंडिया स्ट्रैटेजिक एंड पार्टनरशिप फोरम में निदेशक मंडल के सदस्य के तौर पर शामिल हो गए हैं। यूएसआईएसपीएफ के अध्यक्ष एवं सीईओ मुकेश अघी का कहना है` कि सलिल का हाल ही में यूएसआईएसपीएफ बोर्ड में शामिल होना अमेरिका में भारतीय आईटी दिग्गजों की वर्षों की सफलता की गाथा को उजागर करता है। इंफोसिस भारत में एक बड़ा नाम रहा है। आईटी सेवाएं अमेरिका में भारत के सबसे बड़े निर्यातों में से एक हैं। बोर्ड में सलिल और इंफोसिस की भागीदारी डिजिटल व्यापार को मजबूत करके दोनों अर्थव्यवस्थाओं के लिए एक महत्वपूर्ण निर्भरता बनाने में मदद करेगी। अंततः भारत को दुनिया के लिए एक नवाचार भागीदार के रूप में स्थापित करेगी, जो संगठन का मुख्य मिशन है। सलिल पारेख का आईटी सेवा उद्योग में करीब तीन दशकों का अनुभव है।

शेयर बाजार हल्की गिरावट के साथ बंद

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार शुक्रवार को मामूली गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के बाद भी बिकवाली हावी रहने से आई है। इसके अलावा वित्तीय शेयरों में मुनाफावसूली से भी बाजार गिरा है।

व्यापक बाजारों में बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स में 0.15 फीसदी और 0.53 फीसदी की बढ़त दर्ज की गयी। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सूचकांक सेंसेक्स 15.44 अंक करीब 0.02 फीसदी टूटकर 73,142.80 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में आज 73,022.00 और 73,413.93 के बीच कारोबार करता दिखा।

वहीं दूसरी ओर पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) निफ्टी भी 4.75 अंक तकरीबन 0.02 फीसदी नीचे आकर दिन के अंत में

22,212.70 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी आज 22,186.10 और 22,297.50 के बीच करोबार करता दिखा।

इससे पहले आज सुबह सेंसेक्स 93.93 अंक की बढ़त के साथ 73,253.72 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। वहीं निफ्टी में 34.05 अंक की बढ़त के साथ 22247 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इससे पहले बीएसई सेंसेक्स पिछले बंद भाव 72,623.09 अंक के मुकाबले 72,677.51 पर खुला और कारोबार के दौरान 73,256.39 के उच्च और 72,081.36 के निचले स्तर तक गया। भारी उतार-चढ़ाव के बाद सेंसेक्स 0.74 फीसदी और 535.15 अंक के उछाल के साथ 73,158.24 पर बंद हुआ। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 भी 162.40 अंक की तेजी के साथ 22,217.45 अंक पर बंद हुआ। वहीं अमेरिकी बाज़ारों में शानदार तेजी दर्ज की गई। 450 अंक उछलकर डाओ पहली बार 39,000 के पार पहुंचा। एसएंडपी 500 और नैस्डेक पर एक साल में सबसे बड़ा इंट्राडे उछाल देखा गया। नैस्डेक पर 3 फीसदी का बड़ा उछाल, 16,000 के पार पहुंचा।

एनबीसीसी देश में 2000 अनाज भंडारण गोदाम बनाएगी

नई दिल्ली ।

देश की बुनियादी ढांचे के विकास और उसको और गति देने के लिए नेशनल बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन कॉरपोरेशन लिमिटेड (एनबीसीसी) कृषि सेक्टर में भी प्रवेश करने जा रही है। एनबीसीसी, राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (एनसीडीसी) और राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) के साथ सहकारी क्षेत्र में एक समझौता किया है, इसके तहत दुनिया की सबसे बड़ी अनाज भंडारण योजना की शुरुआत होने वाली है। एनबीसीसी देश के अलग-अलग राज्यों में लगभग 2000 अनाज भंडारण गोदाम बनाएगी लेकिन अभी विभिन्न राज्यों के पीएसी और सहकारी बैंकों के साथ 200 अनाज गोदाम बनाने पर ही एमओयू पर हस्ताक्षर हुए हैं। एनबीसीसी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी के मुताबिक एनबीसीसी बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन क्षेत्र में कार्य करती है। पहली बार एनबीसीसी देश के कृषि क्षेत्र में हाथ आजमाने जा रही है। यह विकास और केंद्र सरकार की एक दूरदर्शी योजना का हिस्सा है। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जहां जमीनी स्तर पर किसानों को लाभ होगा। उन्होंने कहा कि मई 2023 में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने सहकारी क्षेत्र में विश्व की सबसे बड़ी अनाज भंडारण योजना को मंजूरी दी थी। इस योजना में सरकारी दृष्टिकोण का

लाभ उठाकर गोदामों, कस्टम हायरिंग सेंटर, प्रसंस्करण इकाइयों, उचित मूल्य की दुकानों आदि सहित प्राथमिक कृषि क्रेडिट सोसायटी (पीएसीएस) स्तर पर विभिन्न कृषि बुनियादी ढांचे का निर्माण शामिल था।

फिनटेक संस्थान के लिए ऋण देगा एडीबी

मुंबई । एशियन डेवलपमेंट बैंक (एडीबी) ने गुजरात इंटरनेशनल फाइनेंस टेक-सिटी (गिफ्ट) में फिनटेक शिक्षा, शोध एवं नवाचार तक पहुंच बढ़ाने के लिए 2.3 करोड़ डॉलर का ऋण मंजूर किया है। यह परियोजना गिफ्ट सिटी के अंदर एक अंतरराष्ट्रीय फिनटेक इंस्टीट्यूट(आईएफआई) की स्थापना से जुड़ी हुई है। यह आईएफआई उद्योग और अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप फिनटेक प्रशिक्षण कार्यक्रम मुहैया कराएगा। एडीबी में एक अर्थशास्त्री ने कहा कि एडीबी के ऋण से देश की फिनटेक शिक्षा में यह सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी कि डिजिटल और वित्तीय सेवाएं भविष्य में ज्यादा किफायती और सुलभ हों। उन्होंने कहा कि भारत के वित्तीय प्रौद्योगिकी उद्योग के विकास ने लोगों के व्यापार करने के तरीके को बदल दिया है, आर्थिक वृद्धि में योगदान दिया है और देश को भविष्य के लिए तैयार किया है।

होली के चलते हवाई किराए में आया भारी उछाल, 196 फीसदी तक हुई बढ़ोतरी

नई दिल्ली ।

इस साल मार्च में होली के कारण देश की हवाई कंपे नियों ने किराया बढ़ा दिया है। हालों कि होली को देखते हुए हवाई यात्रा की मांग में भी इजाफा हुआ है लेकिन भारतीय विमानन कंपनियों का हर 5 में से एक विमान मेंटेनेंस के चलते ग्राऊंड पर खड़े होने के कारण हवाई किराया भी आसमान छूने लगा है। यही वजह है` कि इस साल प्रमुख मार्गों पर हवाई किराए में पिछले साल के मुकाबले 196 फीसदी तक की वृद्धि देखी गई है। एक रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय विमानन कंपनियां मार्च में हर सप्ताह 21,299 उड़ानों का संचालन करने वाली हैं जो एक साल पहले की समान अवधि के मुकाबले महज 0.5 फीसदी अधिक है। इस साल होली 25 मार्च को है जबकि पिछले साल होली 8 मार्च को थी। हालों कि पर्व को देखते हुए होटलों की बुकिंग में भी 30 से 35 फीसदी इजाफा होने की उम्मीद जताई जा रही है।

एक यात्रा वैबसाइट के आंकड़ों के अनुसार इस साल होली सप्ताह के 19 से 25 मार्च के दौरान दिल्ली-गोवा मार्ग पर औसत हवाई किराया 16,362 रुपए है जो पिछले साल 2 से 8 मार्च होली सप्ताह के मुकाबले 196.1 फीसदी अधिक है। इसी तरह बेंगलुरु-लखनऊ मार्ग पर गत साल किराया 4457 रुपए था जो 99.7 फीसदी की बढ़ौतरी के साथ 8899 रुपए हो चुका है। मुंबई गोवा मार्ग के हवाई किराए में भी 52 फीसदी की बढ़ौतरी देखी गई है। गत साल इस का किराया 3883 रुपए था जबकि इस साल 5902 रुपए है।

मुंबई-लखनई मार्ग पर औसत हवाई किराया 6441 रुपए है जो एक साल पहले के होली सप्ताह के मुकाबले 27.5 फीसदी अधिक है।

मीडिया रिपोर्ट की मानें तो बीते साल आपूर्ति श्रृंखला की समस्याएं बरकरार रहने के कारण मार्च के अंत तक भारतीय विमानन कंपनियों के कुल 789 विमानों में से करीब 200 विमान जमीन पर खड़े रह सकते हैं। नवम्बर में 161 से 166 विमानों का परिचालन नहीं हो रहा था। आपूर्ति श्रृंखला की गंभीर समस्याओं के कारण उम्मीद से अधिक विमान जमीन पर खड़े होंगे। वास्तव में इसमें सुधार होना चाहिए था लेकिन स्थिति काफी खराब हो गई है। भारत की सबसे बड़ी विमानन कंपनी इंडिगो ने इस महीने के आरंभ में घोषणा की थी कि उसने प्रैट एंड व्हिटनी इंजन में समस्याओं के कारण करीब 75 विमानों को रोक दिया है। इस विमानन कंपनी के बेड़े में 358 विमान शो मिल थे।

सोना 62 हजार के पार, चांदी में गिरावट

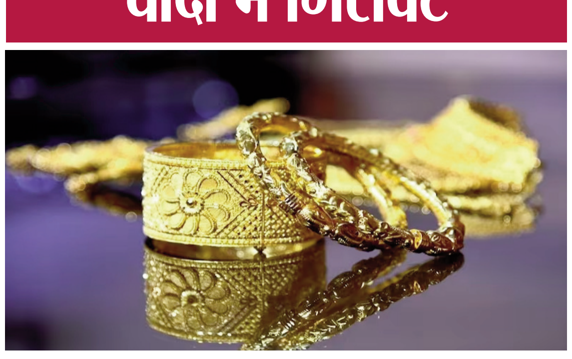

नई दिल्ली ।

सोने के वायदा भाव की शुरुआत शुक्रवार को तेजी के साथ हुई, जबकि चांदी के वायदा भाव सुस्ती के साथ खुले। गुरुवार को दोनों के वायदा भाव तेजी के साथ खुलने के बाद कारोबार के अंत में गिरावट के साथ बंद हुए थे। शुक्रवार को सोने के वायदा भाव 62 हजार रुपये से ऊपर और चांदी के वायदा भाव 70 हजार रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। वै श्विक बाजार में सोने के वायदा भाव में तेजी, जबकि चांदी के वायदा भाव में सुस्ती देखी जा रही है। सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अप्रैल कॉन्ट्रेक्ट 131 रुपये की तेजी के साथ 62,108 रुपये के भाव पर खुलकर 62 रुपये की तेजी के साथ 62,039 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मार्च कॉन्ट्रेक्ट 113 रुपये की गिरावट के साथ 70,154 रुपये के भाव पर खुलकर 134 रुपये की गिरावट के साथ 70,135 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वै श्विक बाजार में सोने के वायदा भाव तेजी के साथ खुले, जबकि चांदी के वायदा भाव की शुरुआत पिछले बंद भाव पर ही हुई। कॉमेक्स पर सोना 2,034.10 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,030.70 डॉलर था। फिलहाल यह 4.10 डॉलर की तेजी के साथ 2,034.80 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 22.78 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 22.78 डॉलर था। फिलहाल यह 0.01 डॉलर की गिरावट के साथ 22.77 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

12 से 22 लाख के बीच होगी स्कार्पियो एक्स क्रेटा की कीमत

नई दिल्ली ।

महिंद्रा ने स्कॉर्पियो के लिए स्को र्पियो एक्स लांच करने की तैयारी कर ली है। यह मॉडल 12 से 22 लाख रुपये के बीच उपलब्ध होगा। मिली जानकारी के अनुसार मे हिंद्रा ने इस नाम से एक नया ट्रेडमार्क पंजीकृत कराया है। कंपनी स्कॉर्पियो एन एसयूवी पर बेस्ड एक नया पिक अप मॉडल लाने की तैयारी कर रही है। इसके कॉन्सेप्ट मॉडल का खुलासा पिछले साल किया गया था। महिंद्रा ग्लोबल पिक अप कॉन्सेप्ट को आधिकारिक तौर पर पिछले साल दक्षिण अफ्रीका में पेश किया गया था।

जानकारी के अनुसार स्कॉर्पियो एन एसयूवी पर आधारित, इस पिक-अप का उत्पादन-तैयार संस्करण 2025 में लॉन्च होने वाला है। इस पिक अप कॉन्सेप्ट का एक परीक्षण मॉडल भी पिछले साल देखा गया था। हालांकि इसमें स्कॉर्पियो क्लासिक के डिजाइन एलिमेंट और टेललाइट्स शामिल थे।

महिंद्रा ग्लोबल पिक अप, जिसे स्कॉर्पियो एक्स (स्को र्पियो एक्स) कहा जा रहा है, एक नई पीढ़ी के एमहॉक डीजल इंजन द्वारा संचालित हो सकती है। यह इंजन छह-स्पीड मैनुअल और ऑटोमैटिक टगियरबॉक्स के साथ जुड़ा होगा। इसके अलावा एक 4डब्ल्यूडी सिस्टम भी ऑफर भी मिलेगा। वहीं आधिकारिक तौर पर कार 2026 के अंत में भारत में लॉन्च होने से पहले दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, मेना देशों और दक्षिण अमेरिकी देशों में लॉन्च होगी। उम्मीद है कि इसकी कीमत 12 लाख से 22 लाख रुपये के बीच होगी। यह टोयोटा हिलक्स और इसुजु डी-मैक्स वी-क्रॉस से भी कड़ा मुकाबला करेगी।

वोडाफोन आइडिया 27 फरवरी को कर सकती है बड़ी घोषणा

मुंबई ।

कर्ज में फंसी कंपनी वोडाफोन आइडिया अगले हफ्ते बड़ा ऐलान कर सकती है। कंपनी ने शेयर बाजार को भेजी जानकारी में कहा है कि 27 फरवरी को कंपनी की बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की बैठक आयो जित होगी। इस बैठक में कंपनी फंड जुटाने के` लिए चर्चा करेगी और साथ ही किसी फैसले पर भी बोर्ड मंजूरी दे सकता है। वहीं गुरुवार को ही वोडाफोन के एडिशनल डायरेक्टर कुमार मंगलम बिड़ला ने कहा है कि वो कंपनी कारोबार मे बनी रहेगी और वो नए निवेशक लाने पर विचार कर रही है। कंपनी के अनुसार 27 फरवरी को होने वाली बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की मीटिंग में बोर्ड फंड जुटाने के सभी प्रस्तावों पर विचार करेगा। इसमें राइट्स इश्यू, पब्लिक ऑफर, प्राइवेट प्लेसमेंट, प्रिफ्रेंशियल अलॉटमेंट, क्यूआईपी या ऐसा ही कोई अन्य रूट शामिल होगा। ऐसा माना जा रहा है कि बोर्ड इनमें से कोई एक रूट या एक से ज्यादा रूट के जरिए किस्तों मे रकम जुटाने पर बात कर सकता है। कुमार मंगलम बिड़ला का कहना है कि कंपनी नए निवेशकों को जोड़ने की कोशिश की जा रही है। 31 दिसंबर 2023 तक वोडाफोन पर कुल

कर्ज 214962 करोड़ रुपये हैं। इसमें ब्याज भी शामिल हैं। कंपनी को 31 दिसंबर 2024 तक 5385 करोड़ रुपये के कर्ज चुकाने हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

टी20 में रोहित , सूर्यकुमार के नाम है सबसे ज्यादा शतक

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के दो खिलाड़ियों के नाम टी20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे ज्यादा शतक हैं। इसमें कप्तान रोहित शर्मा और आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव है। रोहित के नाम पांच जबकि सूर्या के नाम चार शतक हैं। ऐसे में जून में होने वाले टी20 विश्वकप में भारतीय टीम खिताब की एक प्रबल दावेदार के तौर पर उतरेगी। भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा इसमें जीत हासिल कर अपने नाम एक आईसीसी खिताब करना चाहेंगे। रोहित के अलावा ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल, के नाम भी टी20 में पांच शतक हैं। ये तीनो ही ऐसे बल्लेबाज हैं जो कभी भी मैच का रुख मोड़ सकते हैं। मैक्सवेल ने हाल में विंडीज के खिलाफ सीरीज के दूसरे टी20 में शतक लगाकर रोहित के पांच शतकों की बराबरी की है। सबसे कम पारियों में पांच शतक का रिकार्ड मैक्सवेल के नाम है। . मैक्सवेल ने 102 टी20 अंरराष्ट्रीय की 94 पारियों में 5 शतक लगाये हैं। उनका सबसे अधिक स्कोर नाबाद 145 रन रहा है। मैक्सवेल ने अबतक टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 2405 रन बनाये हैं और उनके नाम 10 अर्धशतक भी हैं।मैक्सवेल का स्ट्राइक रेट 155.26 का रहा है। वहीं रोहित ने 151 मैचों की 143 पारियों में 5 शतक लगाये हैं। उनका सबसे अधिक स्कोर नाबाद 121 रन रहा है। उन्होंने इस दौरान 29 अर्धशतक लगाये हैं।

जो रूट के नाबाद शतक से इंग्लैंड का सम्मानजनक स्कोर

रांची,

शीर्ष क्रम के बल्लेबाज जो रुट (नाबाद 106) के धैर्यपूर्ण शतक और उनकी दो उपयोगी साझेदारियों की मदद से इंग्लैंड ने भारत के खिलाफ चौथे टेस्ट के पहले दिन शुक्रवार को सात विकेट पर 302 रन का सम्मानजनक स्कोर बना लिया। सीरीज में अब तक रनों के लिए जूझ रहे रुट ने बैजबॉल शैली को दरकिनार करते हुए अपना पुराना स्वाभाविक खेल दिखाया और 226 गेंदों पर नाबाद 106 रन की संयमित पारी में नौ चौके लगाए। रुट ने इंग्लैंड को पहले सत्र में लगे पांच झटकों से संभाला। इस प्रारूप में रुट ने अपना 31वां शतक और भारत के खिलाफ उनका दसवां टेस्ट शतक पूरा किया। उन्होंने बेन फॉक्स के साथ छठे विकेट के लिए 113 रन और ऑली रॉबिंसन के साथ आठवें विकेट के लिए 57 रन की अविजित साझेदारी की। फॉक्स ने 47 रन बनाये जबकि रॉबिन्सन स्टंप्स के समय 31 रन बनाकर क्रीज पर हैं। एक समय ऐसा लग रहा था कि इंग्लैंड आज शायद दो सत्र भी नहीं खेल पाएगा। लेकिन रूट ने फोक्स, टॉम हार्टली और रॉबिंसन के साथ साझेदारी करते हुए इंग्लैंड को एक मज़बूत स्थिति में पहुंचा दिया है।

भारत की तरफ से नवोदित तेज गेंदबाज आकाशदीप ने अपने पदार्पण मैच में 70 रन पर तीन विकेट, मोहम्मद सिराज ने 60 रन पर दो विकेट लिए जबकि आर अश्विन तथा रवींद्र जडेजा ने एक-एक विकेट लिया। पहले सत्र में पांच विकेट गंवाने के बाद इंग्लैंड ने दूसरे सत्र में कोई विकेट नहीं गंवाया लेकिन अंतिम सत्र में दो विकेट गंवाए। सुबह के सत्र में इंग्लैंड ने जैक क्रॉली (42 रन), बेन डकेट (11 रन), ओली पोप (0), जानी बेयरस्टो (38) और बेन स्टोक्स (3 रन) के विकेट गंवाए। आखिरी सत्र में धीमी शुरुआत के बाद फ़ॉक्स ने रविचंद्रन अश्विन को मिड-विकेट पर सिक्स जड़ा और अपनी कलाइयो का इस्तेमाल करते हुए दो चौके भी लगाए। लेकिन मोहम्मद सिराज ने छठे विकेट के लिए 113 रन की साझेदारी को तोड़ दिया क्योंकि फोक्स शॉर्ट मिडविकेट पर कैच दे बैठे। टॉम हार्टले ने सिराज के खिलाफ चौका जड़ा लेकिन अगली गेंद बल्ले के बाहरी किनारे को छका कर ऑफस्टंप से जा टकराई। रूट ने यॉर्कर को फाइन लेग से आकाश की गेंद पर चौका लगाया और चौका लगाने के लिए शानदार कवर ड्राइव से अपना शानदार शतक पूरा किया। रॉबिन्सन ने दिन के अंत में कुलदीप यादव को स्लॉग-स्वीप करके छक्का लगाया, इसके बाद आकाश की गेंद पर ड्राइव करते हुए और यशस्वी जयसवाल को दो चौकों के साथ इंग्लैंड को 300 के पार ले गए, और पहले दिन का खेल खत्म होने तक इंग्लैंड को मजबूत स्थिति में रखा।

ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे टी-20 मुकाबले में न्यूजीलैंड को हराया

सीरीज में 2-0 की बढ़त मिली

ऑकलैंड ।

ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे टी-20 मुकाबले में न्यूजीलैंड को 72 रनों से हराकर सीरीज में 2-0 की बढ़त हासिल कर ली है। इस मैच में ऑस्ट्रेलिय की जीत में ट्रैविस हेड और एडम जम्पा की अहम भूमिका रही। हेड ने तेजी से 45 रन बनाये जबकि इसके बाद गेंदबाजी के दौरान जम्पा ने चार विकेट लिए। इस मैच में ऑस्ट्रेलियाई टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 174 रन बनाये। इस प्रकार कीवी टीम को जीत के लिए 175 रनों का लक्ष्य मिला। इसका पीछा करते हुए कीवी टीम 17 ओवर में 102 रनों पर ही सिमट गई। लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने पहले ही ओवर में सलामी बल्लेबाज फिन ऐलन का विकेट खो दिया। इसके बाद चौथे ओवर में विल यंग भी पांच रन बनाकर आउट हो गये। कप्तान मिचेल सैंटनर भी सात रन बनाकर आउट हुए। केवल ग्लेन फिलिप्स ही 35

गेंदों में तीन चौके और दो छक्कों की मदद से 42 रन बना पाये। मार्क चैपमैन दो रन, जॉश क्लाकर्सन 10 रन, ऐडम मिल्न शून्य, ट्रेंट बोल्ट 16 रन, लॉकी फर्ग्युसन चार रन बनाये। बेन सीयर्स दो रन बनाकर नाबाद रहे। न्यूजीलैंड की टीम के सात बल्लेबाज दो अंकों तक भी नहीं पहुंच पाये। ऑस्ट्रेलिया की ओर से ऐडम जम्पा ने चार विकेट लिए। नेथन एलिस को दो विकेट मिले। जॉश हेजलवुड, पैट कमिंस और मिचेल मार्श ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

ऋषभ की जगह आईपीएल में अभिषेक पोरेल सहित ये क्रिकेटर कर सकते है विकेटकीपिंग

मुम्बई । दिल्ली कैपिटल्स के आक्रामक बल्लेबाज ऋषभ पंत इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 2024 सत्र से खेल में वापसी कर रहे हैं पर वह इस बार विकेटकीपिंग नहीं केवल बल्लेबाज करेंगे। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने भी संकेत दिये हैं कि ऋषभ कप्तान के तौर पर खेलेंगे। शुरुआती मैचों में उन्हें इंपैक्ट प्लेयर के तौर पर शामिल किया जाएगा। ऐसे में ऋषभ की जगह पर इन पांच खिलाड़ियों में से किसी एक को विकेटकीपर की जिम्मेदारी मिल सकती है। अभिषेक पोरेल, शाई होप, ट्रिस्टन स्टब्स, कुमार कुशाग्र ओर रिकी भुई। अभिषेक पोरेल के पास घरेलू पिचों पर अच्छा अनुभव है। इससे टीम को लाभ होगा। वहीं वेस्टइंडीज शाई होप सलामी बल्लेबाज भी हैं जबकि दक्षिण अफ्रीकी ट्रिस्टन स्टब्स बीच के ओवरों मे तेजी से खेलते हैं। युवा बल्लेबाज कुमार कुशाग्र भी एक उभरते क्रिकेटर हैं जबकि रिकी भुई के पास अच्छा अनुभव है। उन्होंने ट्वंटी20 लीग के 62 मैचों में 32 की औसत से 1497 रन बनाये हैं। । आईपीएल में ऋषभ की वापसी से उनके प्रशंसकों में उत्साह है पर अभी टीम उनपर विकेटकीपिंग का बोझ नहीं डालना चाहती है। वह कार हादसे से उबरकर अब पूरी तरह से फिट हैं। वह क्रिकेट मैदान पर करीब 15 महीने बाद वापसी करेंगे। उन्होंने बेंगलुरु में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में फिटनेस हासिल करने के लिए काफी समय लिया है।

अश्विन इंग्लैंड के खिलाफ 100 टेस्ट विकेट लेने वाले पहले भारतीय बने

बीसीसीआई सचिव जय शाह ने बधाई दी

रांची ।

भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी स्पिनर आर अश्विन ने इंग्लैंड के खिलाफ चौथे क्रिकेट टेस्ट मैच के पहले ही दिन एक विकेट लेते ही एक अहम उपब्धि अपने नाम कर ली। इसी के साथ ही अश्विन टेस्ट प्रारूप में इंग्लैंड के खिलाफ 100 विकेट लेने वाले पहले भारतीय गेंदबाज बन गये। इसके अलावा अश्विन खेल के इतिहास में अपने करियर में 100 विकेट और 1000 से अधिक रन का रिकॉर्ड बनाने वाले विश्व के चौथे खिलाड़ी भी बन गये। इस मुकाम तक पहुंचने के लिए उन्हें 42 पारियां लगीं। अश्विन ने यह उपलब्धि पहले सत्र में जॉनी बैरिस्टो का विकेट लेते ही हासिल कर ली। इंग्लैंड के खिलाफ इससे पहले वेस्टइंडीज के गैरी सोबर्स , ऑस्ट्रेलिया के मोंटी नोबल और ऑस्ट्रेलिया के ही गिफेन ने एक हजार से अधिक रन और सौ से अधिक विकेट लिए हैं।

खेल के इतिहास में केवल जेम्स एंडरसन 145 के नाम अधिक विकेट हैं। अश्विन को इस अहम उलब्धि पर बीसीसीआई सचिव जय शाह ने बधाई दी है। अश्विन को उनके करियर की एक और उपलब्धि पर बधाई देते हुए शाह ने सोशल मीडिया पर लिखा, एक बार फिर नए रिकॉर्ड स्थापित करते हुए अश्विन ने इंग्लैंड के खिलाफ 100 टेस्ट विकेट लेने वाले पहले भारतीय बनकर इतिहास रच दिया है। उनके शानदार प्रदर्शन ने उनकी स्थिति को महानतम खिलाड़ियों में से एक के रूप में मजबूत किया है। क्रिकेट इतिहास में स्पिन गेंदबाज। उनकी असाधारण उपलब्धि उनकी प्रतिभा और खेल के प्रति समर्पण को रेखांकित करती है। बधाई हो!

यह उपलब्धि अश्विन को गेंदबाजों के एक विशिष्ट समूह में रखती है, अभी सक्रिय खिलाड़ियों में केवल ऑस्ट्रेलिया के नाथन लियोन ने ही इंग्लैंड के खिलाफ 100 विकेट लिए हैं।

संक्षिप्त समाचार

आईपीएल में मुम्बई की कप्तानी करते हुए हार्दिक पर रहेगा उम्मीदों का बोझः पार्थिव

मुम्बई । पूर्व क्रिकेटर पार्थिव पटेल ने कहा है कि आईपीएल के 17 सत्र के लिए मुम्बई इंडियंस के कप्तान बने हार्दिक पांड्या की राह इस बार आसान नहीं है। पार्थिव के अनुसार मुम्बई इंडियंस ने उन्हें वह सभी कुछ दिया है जो उन्होंने मांग था। ऐसे में अब उनपर अपने को साबित करने का दबाव होगा। इसका कारण है कि उनपर उम्मीदों का भारी बोझ रहेगा। हार्दिक को मुम्बई ने गुजरात टाइटंस से लिया था। पार्थिव के अनुसार हार्दिक पर वापसी पर अतिरिक्त दबाव होगा। असल में आकाश चोपड़ा ने पार्थिव से पूछा था कि क्या नए कप्तान हार्दिक पंड्या मुंबई इंडियंस को आईपीएल ट्रॉफी वापस दिलाने में मदद कर सकते हैं तो उन्होंने कहा कि ट्रॉफी वापस लाना आसान नहीं है पर अगर आप मुंबई टीम को देखें, तो उन्हें इसे वापस लाना चाहिए। यदि आप उनके भारतीय खिलाड़ियों को देखें, तो केवल एक-दो खिलाड़ी ही ऐसे हैं जो अनुभवी नहीं हैं। उनमें से अधिकतर अनुभवी खिलाड़ी हैं और प्रदर्शन कर चुके हैं। इसके अलावा टीम में शामिल विदेशी खिलाड़ी भी उन्हें बहुत सारे विकल्प उपलब्ध कराते हैं। पार्थिव ने कहा कि टीम के नजरिए से हार्दिक को वह सब कुछ दिया गया है जो वह चाहते थे। लेकिन उनकी सबसे बड़ी चुनौती टीम को एक दिशा में एक ईकाई के तौर पर सामूहिक रूप से प्रदर्शन करने में सहायता करना होगा। इसके बिना ट्रॉफी नहीं जीती जा सकती। एमआई का सत्र पंड्या के नेतृत्व कौशल पर निर्भर करेगा। अगर वह टीम को सामूहिक रूप से ध्यान केंद्रित करने में मदद कर सकते हैं, तो वे जीत सकते हैं। पार्थिव ने पंड्या की कप्तानी पर भी अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि बेशक, उनकी कप्तानी एक चर्चा का विषय बन गई है। जिस तरह से उन्होंने गुजरात टीम का नेतृत्व किया और पहले साल चैंपियनशिप जीती वह शानदार था।

इरफान पठान ने घरेलू क्रिकेट की उपेक्षा करने वालों पर निशाना साधा

नई दिल्ली । पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान ने घरेलू क्रिकेट के सबसे प्रतिष्ठित टूर्नामेंट रणजी ट्रॉफी की उपेक्षा करने वाले क्रिकेटरों पर कटाक्ष किया है। पठान ने कहा कि आजकल कई खिलाड़ी चोट का बहाना बनाकर घरेलू क्रिकेट खेलने से बच रहे हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, घरेलू क्रिकेट में खेलने के लिए अलग-अलग खिलाड़ियों पर अलग नियम लागू होता है। शरीर की देखभाल के नाम पर घरेलू क्रिकेट से अपने को दूर रखना आंखिर कितना सही है। पठान ने इस दौरान किसी का नाम नहीं लिया पर माना जा रहा है कि उनका संकेत ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या जैसे खिलाड़ियों की ओर था जो फिटनेस के नाम पर लंबे समय से घरेलू क्रिकेट से दूर हैं। हार्दिक की घरेलू टीम बड़ौदा भी क्वार्टर फाइनल में पहुंची है पर वह टीम में शामिल नहीं हैं। इसकी जगह वह आईपीएल की तैयारियों में लगे हुए हैं। इरफान भी बड़ौदा के लिए घरेलू क्रिकेट खेलते थे। ऐसे में हार्दिक जैसे खिलाड़ी का अपनी घरेलू टीम के लिए नहीं खेलना काफी नुकसान पहुंचा सकता है। यही कारण है इरफान ने बिना लिए उन पर तंज कसा है। हार्दिक के अलावा युवा ईशान किशन, श्रेयस अय्यर भी हाल के दिनों में घरेलू क्रिकेट में नहीं खेलने के कारण आलोचना का शिकार हुए हैं।

आईपीएल 2024 का कार्यक्रम घोषित, सीएसके और आरसीबी में होगा पहला मुकाबला

मुम्बई ।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 के17 वें सत्र का कार्यक्रम जारी कर दिया है। इसमें शुरुआती मुकाबला गत विजेता चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूर (आरसीबी) से होगा। सीएसके की कप्तानी महेन्द्र सिंह धोनी के पास ही रहेगी जबकि आरसीबी की कमान फाफ डुप्लेसी संभालेंगे। यह मुकाबला 22 मार्च को चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में होगा। वहीं पिछले बार की उप विजेता गुजरात टाइटंस का शुरुआती मुकाबला मुंबई इंडियंस से होगा। मुंबई की कप्तानी हार्दिक पंड्या करेंगे। यह मुकाबला 24 मार्च को अहमदाबाद में होगा। .

बीसीसीआई ने आईपीएल 2024 के लिए 17 दिन का पहले सत्र का कार्यक्रम जारी किया है। इसमें 21 मैच होंगे और जिसमें 4

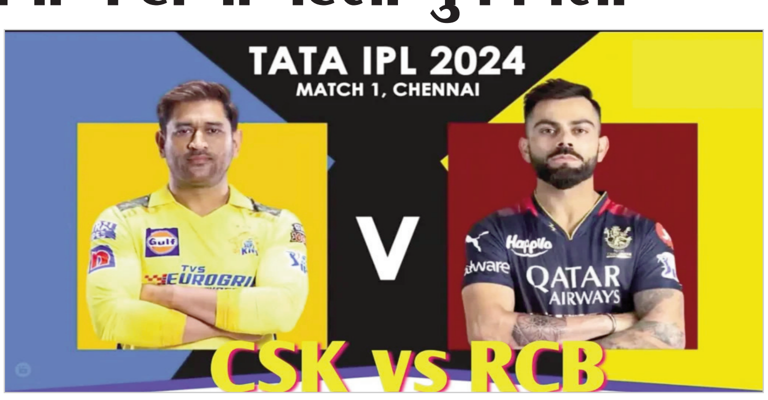

डबल हेडर मैच रहेंगे। वहीं दूसरे सत्र का कार्यक्रम आम चुनावों की तारीखें सामने आने के बाद घोषित किया जाएगा। पहले सत्र में पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स की टीमें पहले डबल हेडर मैच में उतरेंगी। दिन का यह पहला मैच 23 मार्च को मोहाली में खेला जाएगा जबकि दिन के दूसरे मैच में कोलकाता नाइटराइडर्स का मुकाबला सनराइजर्स हैदराबाद से होगा। वहीं राजस्थान रॉयल्स की टीम सत्र की शुरुआत का अपना पहला मैच लखउन सुपर जॉयंट्स से खेलेगी। पहले सत्र में दिल्ली कैपिटल्स की टीम का एक भी मैच अपने घरेलू मैदान पर नहीं होगा। कैपिटल्स टीम के शुरुआती दो मैच विशाखापत्तनम में रखे गये हैं।

आईसीसी ने टी20 विश्वकप के 100 सर्वश्रेष्ठ कैचों का वीडियो साझा किया

दुबई । टी20 विश्वकप जून में अमेरिका और वेस्टइंडीज में संयुक्त रुप से खेला जाएगा। इसको लेकर सभी टीमें अपनी-अपनी तैयारियों में लगी हैं। इसी बीच अंतराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने टी20 विश्व कप के 100 सर्वश्रेष्ठ कैचों की एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर साझा की है क्योंकि अब विश्व कप में 100 दिन ही बचे हैं। टी20 विश्व कप के अब तक कुल सात टूर्नामेंट हुए हैं। इसमें शुरुआती सत्र भारत ने जीता था जबकि विंडीज इसे दो बार जीता है। वहीं एक बार इसमें पाकिस्तान टीम जीती है। इसके बाद हुए टूर्नामेंट में एक बार फिर वेस्टइंडीज विजेता बनी थी। एक बार इसे श्रीलंका ने भी जीता है। साल 2021 में ऑस्ट्रेलिया की टीम पहली बार टी20 विश्व कप जीती थी। साल 2022 में इंग्लैंड ने जीत हासिल की थी। जून 2021 में आईसीसी ने घोषणा की कि 2024, 2026, 2028 और 2030 में होने वाले टी20 विश्व कप टूर्नामेंट में 20 टीमें शामिल होंगी।

आईपीएल 2024 : मुम्बई इंडियंस का पहला मुकाबला 24 मार्च को गुजरात टाइटंस से होगा

नई दिल्ली ।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 में मुम्बई इंडियंस का पहला मुकाबला 24 मार्च को गुजरात टाइटंस से होगा। मुम्बई इस मुकाबले में अपने नये कप्तान हार्दिक पंड्या की कप्तानी में उतरेगी। वहीं गुजरात टाइटंस की कप्तानी शुभमन गिल करेंगे। मुम्बई और गुजरात का यह मुकाबला अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होगा। यह मैच रात साढ़े सात बजे शुरू होगा। अबतक केवल पहले सत्र के 21 मैचों का ही कार्यक्रम जारी किया गया है। इन 21 मैचों के दौरान मुंबई इंडियंस को कुल चार मैच खेलने हैं। पंड्या की टीम 27 मार्च को सनराजइजर्स हैदराबाद के खिलाफ अपना दूसरा मैच खेलेगी। यह मैच में शाम साढ़े सात बजे शुरू होगा। शुरुआती दो मैच विरोधी टीम के मैदानों में खेलने के बाद मुंबई अपने बाकि दो मैच अपने घरेलू मैदान वानखेड़े स्टेडियम में खेलेगी। एक अप्रैल को शाम साढ़े सात बजे से मुंबई इंडियंस का मैच रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के खिलाफ होगा। वहीं सात अप्रैल का मैच मुंबई की टीम दोपहर साढ़े 3 बजे से दिल्ली कैपिटल्स से खेलेगी। आईपीएल के इस सत्र में गुजरात टाइटंस को अपने अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी के बिना ही उतरना होगा। शमी एड़ी की गंभीर चोट के कारण पूरे टूर्नामेंट से ही बाहर हो गए हैं। उन्हें इससे उबरने के लिए सर्जरी करानी होगी।

दीया और स्वस्तिका प्रशिक्षण के लिए दक्षिण कोरिया और जापान जाएंगी

नई दिल्ली ।

महिला टेबल टेनिस खिलाड़ी दीया चितले और स्वस्तिका घोष अब प्रशिक्षण के लिए विदेश जाएंगी। खेल मंत्रालय ने इन दोनो को विदेश में शीर्ष स्तर के प्रशिक्षण की अनुमति दे दी है। इन दोनो को दक्षिण कोरिया और जापान भेजा जाएगा। दीया शिन मिन सुंग के मार्गदर्शन में जबकि स्वास्तिका स्वस्तिका कियू जियान शिन से प्रशिक्षण लेंगी।

खेल मंत्रालय के मिशन ओलंपिक सेल (एमओसी) ने इन दोनो के प्रस्ताव स्वीकार करते हुए इस दौरे का पूरा खर्च उठाने की बात कही है। मंत्रालय की टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना (टॉप्स) के तहत खिलाड़ियों से संबंधित विभिन्न इन खर्चों का वहन किया जाएगा।

एमओसी ने इसके अलावा बैडमिंटन खिलाड़ियों किरण जॉर्ज और अनुपमा उपाध्याय, त्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की महिला युगल टीम और निशानेबाज रुद्रांक्ष पाटिल के प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के प्रस्तावों को भी मंजूरी दे दी। किरण और अनुपमा बीडब्ल्यूएफ ऑरलियन्स मास्टर्स में भाग लेंगे तो वहीं त्रीसा और गायत्री की जोड़ी अपने कोच और फिजियो के साथ बीडब्ल्यूएफ जर्मन ओपन में प्रतिस्पर्धा करने के लिए जर्मनी जाएगी। वहीं राइफल निशानेबाज रुद्राक्ष 'इंटरनेशनल सेसन स्टार्ट फॉर शूटर्स (आईएसएएस 2024) प्रतियोगिताओं में प्रतिस्पर्धा करने के लिए डोर्टमंड जाएंगे। एमओसी ने 'डब्ल्यूटीटी फीडर प्रतियोगिताओं' में भाग लेने के लिए वित्तीय सहायता के टेबल टेनिस खिलाड़ियों जी साथियान

और मनिका बत्रा के प्रस्तावों को भी मंजूरी दे दी है। साथियान डब्ल्यूटीटी फीडर और डब्ल्यूटीटी फीडर दो प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए लेबनान के बेरूत जाएंगे जबकि मनिका डब्ल्यूटीटी सिंगापुर स्मैश में प्रतिस्पर्धा के लिए अपने कोच के साथ जाएंगी और फिर बेरूत में दो डब्ल्यूटीटी फीडर टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगी।

आकाशदीप ने किया ड्रीम डेब्यू : गावस्कर

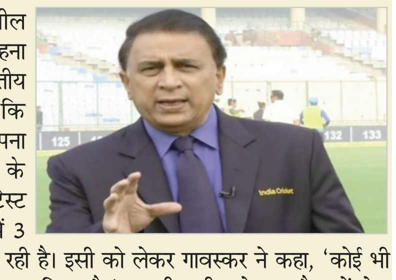

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने युवा तेज गेंदबाज आकाशदीप की जमकर सराहना की है। गावस्कर ने कहा कि आकाशदीप के रुप में भारतीय टीम को एक और सितारा मिला है। साथ ही कहा कि आकाशदीप ने जिस प्रकार का प्रदर्शन किया है। उसका सपना हर खिलाड़ी अपने डेब्यू को लेकर देखता है। इंग्लैंड के खिलाफ मैदान में उतरते ही आकाशदीप भारत के 313वें टेस्ट क्रिकेटर बन गए हैं। आकाशदीप ने अपने पहले ही स्पेल में 3 विकेट लिए। जिसके कारण उन्हें सभी ओर से प्रशंसा मिल रही है। इसी को लेकर गावस्कर ने कहा, 'कोई भी क्रिकेटर जो सपना देखता है, आकाशदीप ने वैसा ही कमाल किया है।' भारतीय टीम ने इस मैच में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की जगह पर आकाशदीप को अंतिम ग्यारह में शामिल किया था। आकाशदीप ने इस अवसर का पूरा लाभ उठाते हुए अपने पहले ही स्पेल में 3 विकेट लेकर अपने चयन को सही साबित किया। आकाशदीप ने इस मुकाबले में इंग्लैंड की सलामी जोड़ी ओली पोप और बेन डकेट को पेवेलियन भेजा। आकाशदीप ने इसके बाद जैक क्राउली को बोल्ड किया पर ये गेंद नो बाल दे दी गयी। आकाश ने दूसरी बार क्राउली को कोई अवसर नहीं देते हुए एक बार फिर बोल्ड कर पेवेलियन भेजा। इस मैच में कॉमेंट्री कर रहे गावस्कर ने आकाशदीप की जमकर प्रशंसा की। गावस्कर ने कहा कि ये एक ड्रीम डेब्यू रहा। गावस्कर ने कहा कि 'कोई भी क्रिकेटर जो सपना देखता है, आकाशदीप ने वैसा ही प्रदर्शन किया है।

आधुनिक तरीके से करें मिर्च की खेती

सब्जियों में मिर्च अपने तीखेपन के लिये जानी जाती है। लेकिन रतलाम जिले के ग्राम सिमलावदा निवासी किसान श्री कंवरा के लिये मिर्च की खेती कामयाबी का साधन बन गई।

रतलाम जिले के किसान कंवरा के परिवार के पास लगभग 160 बीघा जमीन है। उनका परिवार परम्परागत रूप से दो फसलों के साथ-साथ कुछ सब्जी भी अपने खेतों में भी लगा लिया करता था। खेतों में पानी अधिक लगने के कारण हमेशा उनके खेत में सिंचाई की दिक्कत बनी रहती थी। खेतों में कम उत्पादन के कारण उनका परिवार आर्थिक तंगी का सामना भी कर रहा था।

कुछ समय पहले सिमलावदा गाँव में उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों ने दौरा किया। गाँव के किसानों ने उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों के सामने सब्जी के उत्पादन में पानी अधिक लगने की बात रखी। उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों ने किसानों को सब्जी उत्पादन बढ़ाने के लिये सिंचाई के ड्रिप सिस्टम के बारे में बताया। अधिकारियों ने बताया कि ड्रिप सिस्टम से कम पानी में पूरे खेत की अच्छे तरीके से सिंचाई की जा सकती है। किसान कंवरा ने कृषि सलाह के अनुसार अपने खेत में ड्रिप सिस्टम की स्थापना की। उन्होंने दी गई सलाह के अनुसार 6 इंच ऊंची एक फीट चौड़ी बेड्स पूरे खेत में तैयार कर ली। उन्होंने अपने खेत में हाईब्रिड मिर्च के पौधे 40 से 60 सेंटीमीटर की दूरी पर रौपे। किसान कंवरा ने पूरे सीजन के दौरान उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों द्वारा दी गई सलाह को माना और सलाह अनुसार काम किया। आज उनके खेत में मिर्च उत्पादन काफी बढ़ गया और मिर्च की उन्नत किस्म उत्पादन के रूप में मिली।

किसान कंवरा बताते हैं ड्रिप संयंत्र लगने के पूर्व जहां उन्हें प्रति बीघा 9 क्विंटल ही लाल मिर्च का उत्पादन प्राप्त होता था वहीं अब प्रति बीघा लगभग 12 क्विंटल मिर्च का उत्पादन मिल रहा है। आज वे अपने खेत में 140 बीघा जमीन पर मिर्च लगा रहे हैं।

किसान कंवरा मानते हैं कि उद्यानिकी एवं कृषि विभाग की खेती-किसानी के संबंध में दी जा रही आधुनिक सलाह को माना जाये तो कृषि उत्पादन को काफी हद तक बढ़ाया जा सकता है। आज उनकी पहचान आसपास के गाँव में प्रगतिशील कृषक के रूप में होती है। सब्जी उत्पादन से मिली आर्थिक तरक्की से उनके परिवार के जीवन में बदलाव आया है। वे अब खेती-किसानी में और नई-नई तकनीकों का इस्तमाल कर रहे हैं।

फूलों की खेती फायदे का सौदा

देश में इन दिनों फूलों की वार्षिक घरेलू माँग 25 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से बढ़ रही है। भारत का अंतर्राष्ट्रीय फूल बाजार 90,000 करोड़ रुपये का है जो हर वर्ष बढ़ता ही जा रहा है। भारतीय बागवानी बोर्ड के अनुसार फूलों की खेती से संबंधित उत्पादों से कुल आय 205 करोड़ की है। जिसमें 105 करोड़ प्रंपरागत फूलों से है और 100 करोड़ आधुनिक फूलों से है। भारत में फूलों का निर्यात करने वाली 300 से अधिक इकाइयाँ है। राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड की रिपोर्ट के औंसर भारत में वर्ष 2007-08 में 160.7 हज़ार हेक्टेयर क्षेत्र में फूलों की खेती हुई है इस वर्ष छील्न के बाद भारत दूसरे नंबर पर है। आइये जाने भारत में उगने वाले प्रमुख फूलों की देखरेख के तरीके:

एन्थुरियमः

रोपाईः 30 गुणा 30 सेमी की दूरी पर तिकोनी जगह में। कटाई का चरणः छड़ का कड़ा होना, पर 1/3 से 3/4 फूल खिला होने पर।

पैदावारः 2 से 3 फूल हर पौधे से पहले साल में जो की बढ़कर 4 से 6 दूसरे साल और 6 से 8 तीसरे साल तक हो जाती है। गुलदस्ते में उमः 22 से 23 दिन

जरवेराः

रोपाईः 35 गुणा 45 सेमी की दूरी पर। जनवरी, फ़रवरी बेहतर है जड़े के लिए और जून, जुलाई गर्मी के लिए।

कटाई का चरणः पंखुड़ियों के पूरा खुल जाने पर

पैदावारः 200 से 250 फूल प्रति वर्ग मीटर हर साल

गुलदस्ते में उम्रः 7 से 8 दिन

ऑरकिड

रोपाईः कटाई का चरणः जब फूल की आधी पंखुड़ीयाँ खुल चुकी हों

पैदावारः 2 से 3 छड़ प्रति पौधे से और 5 से 6 छड़ तीसरे साल से

गुलदस्ते में उम्रः 12 से 21 दिन किस्म के प्रकार पर निर्भर

टीयूब रोज (गुलाब)

रोपाईः फ़रवरी मार्च में मैदानी में, अप्रैल, मई में पहाड़ों पर। 20 से 25 सेमी की दूरी पर 5 से 7 सेमी के गढ्ढे में

पैदावारः 2 से 6 फूल हर पौधे से

गुलदस्ते में उम्रः6 से 8 दिन

गुलाब

रोपाईः अक्टूबर से अप्रैल की शुरुआत तक। 60 गुणा 60 सेमी की दूरी पर।

कटाई का चरणः एक दो पंखुड़ियों के खिलते ही।

पैदावारः 15 से 30 हर पौधे से।

गुलदस्ते मे उम्रः 4 से 7 दिन

मॉरीगोल्ड

रोपाई- साल के किसी भी समय 40 गुणा 40 सेमी

कटाई का चरणः पूरा आकर का होने पर

पैदावारः 11 से 18 टन / हेक्टेयर गुलदस्ते में उम्रः 2 से 4 दिन

ग्लैदोलस

रोपाईः जुलाई या दिसंबर मे 30 गुणा 20 सेमी की दूरी और । सेमी गहरे गड्ढे में।

कटाई का चरणः पंखुड़ियों में रंग आने पर।

पैदावारः 10,000 से 15,000 छड़े। गुलदस्ते में उम्रः 14 से 21 दिन, 2 से 4 डिग्री सेल्सियस तापमान में।

अब सूरज सा चमकेगा खेत

आपने भी कभी किसी हाइवे से गुज़रते हुए या ट्रेन में सफ़र करत हुए चमकते हुए सूरजमुखी के पीले फूलों के खेत को देखा होगा, ये नज़ारा आपकी आँखों को दो पल के लिए सुकून ज़रूर देता होगा, पहले यह फसल एक फूल के रूप में ही उगाई जाती थी, वनस्पति उत्पादक असोसिएशन के आँकड़ों के अनुसार हमरे देश में सूरजमुखी 38,8000 हेक्टेयर भूमि में उगाया जाता है। इसमें 40-50 प्रतिशत अच्छे किस्म का तेल होता है, सूरजमुखी का तेल पीले रंग का होता है तथा व्यंजनो को पकने में प्रयोग किया जाता है यह तेल हाइड्रोजिनेटेड तेल बनाने के काम भी आता है, इसके लिए तेल में 40-44 प्रतिशत अच्छी किस्म का प्रोटीन होता है।

इसकी खेती हल्की से भारी मिट्टी में सफलतापूर्वक की जा सकती है, लेकिन मध्यम किस्म की भूमि अधिक उपयुक्त रहती है मिट्टी का पीएच मान 6-5 से 8-5 इसकी सफल पैदावार के लिए उपयोगी होती है खेत से जल निकास का प्रबंध हों आवश्यक है, पिछली फसल की कतई के बाद मिट्टी पलटने वाले हाल से एक जुताई करें। बाद में अच्छे अंकुरन के लिए भूमि की दो से तीन बार जुताई करें। इसके बाद पाटा सुहागा लगाकर बुआई के लिए खेत तैयार करें।ध्यान रहे कि खेत में ढेले न रहें, सूरजमुखी की फसल को साल में तीन बार बोया जा सकता है। खरीफ मौसम में अधिक उपज हेतु इसकी बुआई अगस्त माह में करें, रबी में मध्य अक्टूबर से नवम्बर के प्रथम पखवाड़े तक व बसंत कालीन बुआई के लिए जनवरी से फ़रवरी अंत का समय उत्तम है।

एक हेक्टेयर की बुआई के लिए संकर किस्म का बीज 4-5 किलोग्राम, उनन्त किस्म का 10 किलोग्राम बीज पर्याप्त होता है। बीज को 4-6 घंटे तक पानी में भिगोना चाहिए उपर तैरने वाले थोथे बीजों को अलग निकाल देना चाहिए, भिगोये गये बीज को छाया में सूखा लें।

बीज जनित बीमारियों की रोकथाम एवं अच्छे अंकुरन के लिए बुआई से पूर्व बीज को 2-3 ग्राम थाईरम या कैप्टान प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करें। बुआई हाल द्वारा व चौव कर भी की जा सकती है, उन्नत क़िस्मों को क़तारों में 45 सेमी तथा संकर क़िस्मों को 60 सेमी की दूरी पर बोएँ तथा पौधे से पौधे की दूरी 20-30 सेमी रखें। बीज को भूमि की नामी अनुसार 3-5 सेमी गहरा बोएँ, बुआई के 15-20 दिन बाद घने पौधे उखाडकर पौधों के बीच निश्चित दूरी रखें।

बुआई के 15-20 दिन बाद खरपतवार निकाल दें इसी समय पौधों की छ्टयी कर पौधे से पौधे की दूरी सिर्फ़ आवश्यकता अनुसार करे तथा खरपतवरों को समय-समय पर नष्ट करें। रसायनों द्वारा कहरपतवरों के नियंत्रण हेतु एलकलोर 1-5 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से पानी में घोलकर बुआई के एक दिन बाद च्चिड़काव करें या 750 ग्राम फ्लुफलोरेलीन प्रति हेक्टेयर की दर से पानी में घोकर बुआई के एक दिन पहले खेत में छिड़काव कर अच्छी तरह मिट्टी में मिलाएँ। यदि अधिक बढ़ने वाली किस्म बोई जाती है तो फसल को गिरने से बचाने के लिए कलियाँ बनते समय पौधे पर मिट्टी चढ़ाएँ, बुआई से पूर्व 7-8 टन प्रति हेक्टेयर सड़ी हुई गोबर की खाद भूमि में डालकर अच्छी तरह मिलाएँ उर्वरकों का प्रयोग मिट्टी परीक्षण के आधार पर ही करें। यदि किसी कारणवश मिट्टी परीक्षण नही करवा पाते हो तो सिंचित फसल में 60-80 किलोग्राम नाइट्रोजन, 60 किलोग्राम फॉस्फोरस तथा 40 किलोग्राम पोटॅश 80-125 किलोग्राम उरिया, 130 किलोग्राम मूरेट ऑफ पोताश प्रति हेक्टेयर की दर से पूरी मात्रा बुआई करते समय बीज के नीचे क़तारों में डाले। फॉस्फोरस की मात्रा की सिंगल सुपर फॉसफेट द्वारा पूर्ति किए जाने पर वांच्छित मात्रा में गंधक की भी आपूर्ति हो जाती है जो कि तिलानी फसलों में तेल की मात्रा बढ़ता है फूल आने के समय सिचाई करना ज़रूरी होता है प्रथम सिचाई बुआई के एक माह बाद व अन्य सिचाई 20-25 दिन के अंतराल से आवश्यकतानुसार करे, फूल आने के समय एक हल्की सिचाई अवश्य करें। यदि वर्षा अच्छी हो जाए तो खरीफ मौसम की फसल को एक भी सिचाई की।

बमवर्षक विमान में सवारी कर पुतिन ने दिया विरोधियों को कड़ा संदेश

मास्को। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने एक परमाणु-सक्षम बमवर्षक विमान में सह-पायलट के रूप में उड़ान भरी। पुतिन की इस बमवर्षक विमान की सवारी का उद्देश्य अगले महीने होने वाले चुनाव से पहले अपनी छवि को ताकतवर है। रूस में होने वाले चुनावों में पुतिन की जीत लगभग तय मानी जा रही है। टीयू-160एम सुपरसोनिक बमवर्षक विमान में पुतिन ने करीब 30 मिनट तक सवारी की। उड़ान के जरिये पुतिन का उद्देश्य यूक्रेन में युद्ध को लेकर पश्चिमी देशों के साथ बढ़ते तनाव के बीच रूस की परमाणु शक्ति का दम दिखाना था। निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहे पुतिन (71 वर्षीय) को रूस की राजनीतिक व्यवस्था पर अपनी मजूबत पकड़ का भरोसा है, जिसे उन्होंने पिछले 24 वर्षों के दौरान स्थापित किया है।

चीन के साथ संबंधों को और घनिष्ठ करना चाहते हैं : आइसलैंड की प्रधानमंत्री

बीजिंग। आइसलैंड की प्रधानमंत्री कैटरीन जैकब्सडॉटिर ने कहा कि वह आइसलैंड-चीन संबंधों के विकास से संतुष्ट हैं और दोनों देशों के बीच संबंधों को और गहरा करने की इच्छुक हैं। जैकब्सडॉटिर ने चीनी लोगों को नए साल की शुभकामनाएं देने के लिए आइसलैंड में चीनी दूतावास का दौरा किया। उन्होंने कहा कि वह लैंगिक समानता और भू-तापीय, जलवायु परिवर्तन आदि हरित विकास क्षेत्रों में दोनों देशों के बीच सक्रिय रूप से आदान-प्रदान और सहयोग को गहरा करना चाहती हैं ताकि वैश्विक चुनौतियों का बेहतर जवाब दे सकें। उन्होंने चीनी चंद्र पंचांग के लूंग वर्ष (ड्रैगन वर्ष) में आइसलैंड-चीन संबंधों के और अधिक विकास की कामना की। इस दौरान, आइसलैंड में चीनी राजदूत हे रूलूंग ने कहा कि 53 साल पहले चीन और आइसलैंड के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना के बाद से, द्विपक्षीय संबंधों ने लगातार विकास बनाए रखा है और व्यावहारिक सहयोग लगातार आगे बढ़ा है। चीन-आइसलैंड संबंधों को विभिन्न आकारों और विभिन्न सामाजिक प्रणालियों के देशों के बीच सहयोग का एक मॉडल माना जा सकता है। राजदूत हे ने यह भी कहा कि चीन दोनों देशों के बीच सभी स्तरों पर आदान-प्रदान को तेज करने, हरित विकास सहयोग सहित विभिन्न क्षेत्रों में व्यावहारिक सहयोग को गहरा करने, मानविकी आदान-प्रदान को मजबूत करने और द्विपक्षीय संबंधों को उच्च स्तर पर ले जाने के लिए आइसलैंड के साथ मिलकर काम करना चाहता है।

सिंगापुर में भारतीय मूल के पूर्व जेल अधिकारी को रिश्वतखोरी के आरोप में सजा

सिंगापुर। सिंगापुर में एक 57 वर्षीय भारतीय मूल के पूर्व जेल अधिकारी को एक कैदी को स्थानांतरित करने के बदले में कुल 1,33,000 मिलियन सिंगापुर डॉलर की रिश्वत मांगने के प्रयास के लिए शुक्रवार को तीन साल से अधिक जेल की सजा सुनाई गई। द स्ट्रेट्स टाइम्स अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, सेवानिवृत्त वरिष्ठ मुख्य वार्डर कोबी कृष्णा अयावू को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत आठ आरोपों में दोषी ठहराया गया था। इसके अलावा, उन्हें जुलाई 2017 में अपने सहयोगियों को जेल प्रणाली तक पहुंच कर कैदी की जानकारी लेने के लिए उकसाने का दोषी पाया गया, जिसके बाद उन्हें निलंबित कर दिया गया। अभियोजन पक्ष ने अदालत को बताया कि कोबी ने सितंबर 2015 और मार्च 2016 के बीच आठ अलग-अलग मौकों पर चोंग केंग चाई नाम के एक कैदी से उसकी कार ऋण की किश्तों, घर के नवीनीकरण, जन्मदिन समारोह और क्रेडिट कार्ड बिलों का भुगतान करने के लिए रिश्वत मांगी। चोंग को 2005 में अपनी प्रेमिका के सात वर्षीय बेटे की हत्या के लिए 20 साल की निवारक हिरासत की सजा सुनाई गई थी। अदालत को बताया गया कि कोबी ने 3,000 मिलियन सिंगापुर डॉलर और 42,000 मिलियन सिंगापुर डॉलर के बीच प्राप्त करने की कोशिश की, लेकिन उसे कोई पैसा नहीं मिला क्योंकि चोंग जानता था कि कोबी के पास उसकी मदद करने की क्षमता या अधिकार नहीं है।

गाजा में युद्ध विराम वार्ता के लिए पेरिस में प्रतिनिधिमंडल भेजेगा इजराइल

जेरूसलम। इजराइल की युद्ध कैबिनेट ने गुरुवार रात को पेरिस में गाजा युद्धविराम वार्ता के लिए एक प्रतिनिधिमंडल भेजने का फैसला किया। अंतरराष्ट्रीय वार्ताकार इजराइल और हमास के बीच युद्ध विराम समझौता कराने का प्रयास कर रहे हैं। एक सरकारी अधिकारी ने शिन्हुआ समाचार एजेंसी को बताया कि मोसाद खुफिया एजेंसी के प्रमुख डेविड बार्निया इजराइली प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे। वार्ता में कतर के प्रधान मंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान बिन जसीम अल थानी और यूएस सेंट्रल इंटेलिजेंस एजेंसी के निदेशक विलियम बर्न्स भी भाग लेंगे। व्हाइट हाउस के मध्य पूर्व समन्वयक, ब्रेट मैकगर्क, गाजा में बंधकों की रिहाई और युद्ध विराम सुनिश्चित करने के लिए वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बातचीत के लिए गुरुवार को इज़राइल में थे। मैकगर्क की यात्रा युद्धविराम समझौते के लिए बढ़ते प्रयासों के बीच हो रही है। घनी आबादी वाले राफा शहर में घुसपैठ शुरू करने के इजराइल के घोषित इरादे ने वैश्विक चिंता बढ़ा दी है। गाजा पट्टी में चार महीने से अधिक समय से जारी इजराइली हमले में गुरुवार तक 29,410 फिलिस्तीनी मारे गए और 69,465 घायल हुए हैं। मैकगर्क से मुलाकात के बाद, इजराइली रक्षा मंत्री योव गैलेंट ने कहा कि इजराइली रक्षा बल (आईडीएफ) 'गहन जमीनी अभियानों को जारी रखने की तैयारी कर रहा है।' गैलेंट के कार्यालय की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है कि उनका ध्यान गाजा में अभी भी मौजूद शेष 134 बंधकों को मुक्त कराने के प्रयासों पर केंद्रित है।

हौथियों ने अदन की खाड़ी में ब्रिटिश मालवाहक जहाज पर हमले की ली जिम्मेदारी

सना। यमन के सशस्त्र हौथी समूह ने अदन की खाड़ी में एक ब्रिटिश मालवाहक जहाज पर मिसाइल हमले की जिम्मेदारी ली है। सैटेलाइट टीवी चैनल अल-मसीरा के अनुसार हौथी सैन्य प्रवक्ता याह्या सरिया ने गुरुवार को समूह द्वारा प्रसारित एक टेलीविजन बयान में कहा, 'यमनी (हौथी) सशस्त्र बलों की नौसेना ने अदन की खाड़ी में एक ब्रिटिश जहाज (आइलैंडर) पर मिसाइलों से हमला किया।' समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने सरिया के हवाले से कहा, मिसाइलें सीधे जहाज पर गिरीं, इससे उसमें आग लग गई। उन्होंने कहा, ¶हमने ड्रोन से लाल सागर में एक अमेरिकी विध्वंसक को निशाना बनाया।¶ उन्होंने कहा कि उनके समूह ने इजरायली शहर इलियट की ओर भी बैलिस्टिक मिसाइलों व ड्रोन से हमला किया।

इजरायली सेना खान यूनिस के नासिर अस्पताल से हटी

गाजा। दक्षिणी गाजा पट्टी के खान यूनिस शहर में नासिर अस्पताल से कथित तौर पर इजरायली सेना के सैनिक हट गए हैं। समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने फिलीस्तीनी सुरक्षा सूत्रों के हवाले से बताया कि कई दिन पहले अस्पताल पर हमला करने और इसे 'सैन्य बैरक' में बदलने के बाद इजरायली सेना गुरुवार को अस्पताल से 'पूरी तरह से' हट गई। इस बीच, इज़रायल के चैनल 13 समाचार ने पुष्टि की कि इजरायल रक्षा बलों (आईडीएफ) ने अस्पताल में अपना ऑपरेशन खत्म कर दिया है।

जीमेल ने ईमेल सेवा समाप्त होने का दावा करने वाले वायरल संदेश को किया खारिज

वाशिंगटन। गूगल के ईमेल प्लेटफॉर्म जीमेल ने सेवा समाप्त किये जाने संबंधी वायरल फर्जी संदेश को खारिज करते हुए कहा है कि यह सेवा जारी रहेगी। जीमेल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर अपनी पोस्ट में कहा, 'जीमेल यहां रहने के लिए है।' इससे पहले जीमेल से आयी फर्जी ईमेल में दावा किया गया था कि अगस्त 2024 में यह सेवा समाप्त कर दी जायेगी। गत सितंबर में गूगल ने कहा था कि जीमेल अब यूजर्स को जनवरी 2024 से बेसिक ब्राउजर एचटीएमएल व्यू पर कनेक्टिविटी की अनुमति नहीं देगा। दूसरी तरफ गुरुवार को गूगल ने आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) मॉडल जेमिनी की लोगों की इमेजिंग क्षमता को उस समय तक के लिए निलंबित कर दिया जब तक कि वे एआई मॉडल का उन्नत संस्करण जारी नहीं कर देते।

चीन में एक ड्रोन के जरिये ली गयी ड्रेगन डांस देखते हुए लोगों की तस्वीरें।

स्पेन की बहुमंजिला इमारतों में भीषण आग, चार मरे, 14 घायल, 19 लापता

मैड्रिड (एजेंसी)। स्पेन के वालेंसिया शहर की दो बहुमंजिला इमारतों में गुरुवार को भीषण आग लगने से चार लोगों की मौत हो गयी और छह दमकल कर्मियों सहित 14 लोग घायल हो गए। हादसे के बाद से करीब 19 लोगों का पता नहीं चल पाया है।

आपातकालीन सेवाओं के अनुसार स्थानीय समयानुसार कल शाम करीब साढ़े पांच बजे आग ने कैम्पानार इलाके में 14 मंजिला ब्लॉक को अपनी चपेट में ले लिया और यह कुछ ही पलों में पास की इमारत तक फैल गई। उन्होंने कहा, 'आग इमारत के चौथे मंजिल पर लगी ।देखते-ही देखते पूरी इमारत इसकी चपेट में आ गयी और इसके बाद पास की दूसरी बहुमंजिला इमारत में भी पहुंच गयी।तेज हवाओं के कारण आग और तेजी से बगल की इमारत में फैल गई।'

स्थानीय मीडिया के अनुसार लोग जान बचाने के लिए बालकनी में पहुंच गये। आग में फंसे कई लोगों को दमकलकर्मियों ने बड़ी क्रेनों से उतार कर उनकी जान बचायी। इस दौरान छह दमकलकर्मी भी काल के गाल में समा गये।

बीबीसी के अनुसार इस भीषण हादसे में कम से कम चार लोगों की मौत हो गयी है और छह दमकल कर्मियों तथा एक छोटे बच्चे सहित 14 से अधिक लोग घायल हो गए हैं। बीस से अधिक दमकल ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। घटना के बाद से 19 से अधिक लोगों के बारे में कोई जानकारी नहीं मिल पायी है।

स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज़ ने इस हादसे पर गहरा दुख व्यक्त किया है। श्री सांचेज ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर कहा कि इस भयावह हादसे से वह बेहद दुखी और निराश हैं। वह प्रभावित सभी लोगों के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त करते हैं। उन्होंने कहा, ÷वेलेंसिया की एक इमारत में लगी भयानक आग से मैं स्तब्ध हूं। मैं प्रभावित सभी लोगों के प्रति एकजुटता व्यक्त करता हूं और घटनास्थल पर पहले से ही तैनात सभी आपातकालीन कर्मियों के प्रति आभार प्रकट करता हूं। 'उन्होंने सभी संबद्ध विभागों को यह सुनिश्चित करने का आदेश दिया है कि लोगों को हरसंभव मदद मिले।

स्पेन की सैन्य आपातकालीन इकाई के सैनिकों सहित आपातकालीन प्रतिक्रिया टीमों को तैनात किया गया है। फ्रैक्चर, जलन और धुएं के कारण साँस लेने जैसी समस्यों के लिए डॉक्टरों ने मौके पर चिकित्सा शिविर लगाया था।

समाचार पत्र 'एल पेस' ने इमारत के प्रबंधक के हवाले से खबर दी है कि इमारत में 138 फ्लैट हैं और इसमें 450 लोग रहते थे।एक महिला ने टीवीई को बताया कि उसने दमकल कर्मियों को इमारत की पहली मंजिल पर फंसे एक किशोर लड़के को बचाने का प्रयास करते देखा था।

आग के तेजी से फैलने के कुछ घंटों बाद, स्पेन में इमारत के निर्माण में इस्तेमाल की गई सामग्री के बारे में सवाल खड़े हो गये हैं। वेलेंसिया के कॉलेज ऑफ इंडस्ट्रियल टेक्निकल इंजीनियर्स की उपाध्यक्ष एस्थर पुचाडेस ने देश की समाचार एजेंसी 'एफे' को बताया कि उन्होंने पहले इमारत का निरीक्षण किया था। उन्होंने दावा करते हुए कहा, 'इमारत के बाहरी हिस्से में पॉलीयुरेथेन सामग्री है, जो ज्वलनशीलता के डर के कारण अब व्यापक उपयोग में नहीं है।'

इमरान आईएमएफ से कहेंगे-पाकिस्तान को कर्ज न दें,वजह भी बताएंगे

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में हुई चुनाव धांधली के बारे में आईएमएफ को बताया जाएगा। जनादेश को चुरा लिया गया, क्योंकि जो लोग 8 फरवरी की रात को हार रहे थे, उन्हें अगले दिन 8 फरवरी को विजेता घोषित कर दिया गया। यह जानकारी पीटीआई नेता अली जफर ने जेल में इमरान से मुलाकात के बाद पत्रकारों से चर्चा करते हुए दी। जफर का कहना है कि इस पत्र के जरिए पीटीआई चुनाव में धांधली की जांच के लिए स्वतंत्र ऑडिट टीम भेजे और इसके बाद कर्ज जारी करे। जफर का कहना है कि यूरोपीय संघ और अन्य संगठनों का चार्टर है कि किसी देश को कर्ज देने के लिए वहां का शासन अच्छा होना जरूरी है। उन्होंने कहा, चुनाव से पहले हुई धांधली को तो छोड़िए। चुनाव के बाद हुई छेड़छाड़ के जरिए पीटीआई के जीत रहे उम्मीदवारों से जीत छीन ली गई। हाल ही में पीटीआई नेता अली जफर ने जेल में इमरान से मुलाकात की थी। इसके बाद उन्होंने पत्रकारों को बताया कि पाकिस्तान में हुई चुनाव धांधली के बारे में आईएमएफ को बताया जाएगा। उन्होंने दावा किया कि जनादेश को चुरा लिया गया, क्योंकि जो लोग 8 फरवरी की रात को हार रहे थे, उन्हें अगले दिन 8 फरवरी को विजेता घोषित कर दिया गया। पहले आर्थिक संकट और चुनाव में धांधली के आरोपों में घिरे पाकिस्तान पर एक और संकट छाने के आसार हैं। खबर है कि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के संस्थापक इमरान खान अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष को पत्र लिखने की तैयारी कर रहे हैं। इसके जरिए इमरान मांग उठाएंगे कि चुनाव के ऑडिट के बाद ही पाकिस्तान को लोन जारी किया जाए।बीते साल ही पाकिस्तान को आईएमएफसे 3 बिलियन डॉलर का लोन मिला था। इधर, लंबी गहमागहमी के बाद पाकिस्तान में पीएमएल-एन और पीपीपी गठबंधन की सरकार बनाने के लिए तैयार हो गए हैं। तय सियासी डील के तहत पूर्व प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को पीएम उम्मीदवार बनाया जाएगा और आसिफ अली जरदारी राष्ट्रपति बनेंगे।

भारत से पंगा लेना पाकिस्तानी वायुसेना अधिकारियों को पड़ा मंहगा

-13 शीर्ष अधिकारियों का कोर्ट मार्शल

कराची (एजेंसी)। पाकिस्तान की वायुसेना में बड़ा उलटफेर देखने को मिला है। बताया जा रहा है कि पाकिस्तानी वायुसेना के 13 शीर्ष अधिकारियों का कोर्ट मार्शल किया गया है। दरअसल पाकिस्तान वायु सेना (पीएएफ) में मौजूद भ्रष्टाचार के बारे में एक खबर लीक हुई हैं। इसके बाद पीएएफ ने जांच की थी। जांच के बाद 13 अधिकारियों का कोर्ट मार्शल कर दिया गया। इसमें वह अधिकारी भी शामिल है, जिन्होंने बालाकोट एयरस्ट्राइक के बाद पाकिस्तानी लड़ाकू विमान भारत भेजे थे। बालाकोट हवाई हमले के बाद सेवानिवृत्त एयर मार्शल जावेद सईद ने भारत के खिलाफ ऑपरेशन स्विफ्ट रिटॉर्ट शुरू किया। इस ऑपरेशन के तहत पाकिस्तानी एफ-16 लड़ाकू विमानों को कश्मीर भेजा गया था। जिसकी वायुसेना के विंग कमांडर अभिनंदन वर्धमान के साथ हवाई फाइट हुई। पाकिस्तान ने दावा किया कि उन्होंने दो भारतीय लड़ाकू विमानों को मार गिराया है। वहीं अभिनंदन ने अपने मिराज-2000 बाइसन से पाकिस्तान को अमेरिका से मिले एफ-16 फाइटर जेट को मार गिराया था।

खबर है कि कोर्ट मार्शल का सामना कर रहे सभी 13 अधिकारियों में से सात वरिष्ठ हैं। इन सभी अधिकारियों ने पाकिस्तानी वायुसेना प्रमुख जहीर बाबर सिद्धू के भ्रष्टाचार को उजागर किया था। सभी को गिरफ्तार किया गया है। हालांकि, कुछ रक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि ये सभी ईमानदार अधिकारी हैं। उन पर अत्याचार किया जा रहा है। माना जा रहा है कि पाकिस्तानी वायुसेना प्रमुख अपना कार्यकाल बढ़ाने के लिए अपने प्रतिद्वंद्वी कनिष्ठ अधिकारियों से छुटकारा पा रहे हैं। इस खुलासे के बाद अब वायुसेना प्रमुख मुश्किल में पड़ गए हैं। उन पर हथियारों की खरीद में धांधली का आरोप है। कुछ दिन पहले पाकिस्तानी सेना के अधिकारियों ने मिलकर वायुसेना प्रमुख जहीर बाबर के खिलाफ श्वेत पत्र जारी किया था। जिसमें कहा गया था कि जहीर ने बहुत कम समय के लिए फाइटर जेट उड़ाए थे। फिर उन्हें किस आधार पर वायुसेना प्रमुख बनाया गया?

आधी सदी में पहली बार अमेरिका निर्मित अंतरिक्ष यान चंद्रमा पर उतरा

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका की प्राइवेट कंपनी 'इंट्यूटिव मशीन्स' के रोबोटिक स्पेसक्राफ्ट लैंडर ओडिसियस की मून लैंडिंग हो गई है। लगभग 50 साल बाद रोबोटिक स्पेसक्राफ्ट लैंडर ओडिसियस चांद की सतह पर उतरा है। द न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, 1972 में आखिरी अपोलो मिशन के बाद अमेरिका में बना कोई अंतरिक्ष यान अब चंद्रमा की सतह पर उतरा है। चांद पर उतरने वाले इस अंतरिक्ष यान का नाम ओडिसियस या ऑडी है। द न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार, इंट्यूएटिव मशीन्स के ओडिसियस लैंडर को पिछले हफ्ते स्पेसएक्स फाल्कन 9 रॉकेट पर लॉन्च किया गया था। यह छह पांव वाला एक रोबोट लैंडर है। यह भारतीय समयानुसार, शुक्रवार सुबह 4~30 बजे चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास मालापर्ट ए नाम के क्रेटर में उतरा। संयुक्त राज्य अमेरिका का यह अंतरिक्ष यान सफलतापूर्वक चंद्रमा पर उतरकर 50 से अधिक वर्षों में यह उपलब्धि हासिल करने वाला पहला

अमेरिकी अंतरिक्ष यान बन गया है। मई 2019 में नासा ने घोषणा की थी कि वह चंद्रमा पर 'इंट्यूटिव मशीन्स' के पांच पेलोड भेजेगा। मगर पैसे लेकर बात नहीं बन पाई थी। इसके चंद्रमा पर पहुंचते ही नासा ने टिप्पणी की कि वह तब कंपनी को लगभग 118 मिलियन डॉलर का भुगतान कर रही थी। अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, नासा मूल रूप से चाहता था कि इंटुएटिव मशीनें अपने ओडिसियस मिशन को चंद्रमा के भूमध्यरेखीय क्षेत्र में ओशनस प्रोसेलरम नामक एक आसान-से-पहुंच वाले स्थान पर भेजें। यह चंद्रमा के निकटवर्ती भाग पर एक विशाल वैज्ञानिक रूप से पेचीदा काला धब्बा है।

पाकिस्तान में बनेगा इतिहास, पंजाब प्रांत की पहली महिला मुख्यमंत्री बन सकती है मरियम

इस्लामाबाद (एजेंसी)। प्रांतीय विधायिका के उद्घाटन सत्र के कार्यक्रम के बाद, पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की बेटी मरियम नवाज पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की पहली महिला मुख्यमंत्री बनकर इतिहास बना सकती हैं। 8 फरवरी को जिन पांच विधानसभाओं में मतदान हुआ, उसमें पंजाब विधानसभा सबसे पहले अपना उद्घाटन सत्र बुला रही है। गवर्नर हाउस के प्रवक्ता ने बताया कि पंजाब के राज्यपाल बालीघुर रहमान ने पंजाब विधानसभा सत्र बुलाया है, जहां नवनिर्वाचित सदस्य शपथ ले, जो नई सरकार के गठन की शुरुआत होगी।

कौन हैं मरियम नवाज?

28 अक्टूबर 1973 को लाहौर, पाकिस्तान में जन्मी मरियम नवाज नवाज शरीफ और बेगम कुलसुम नवाज की तीन संतानों में सबसे छोटी हैं। पाकिस्तान की राजनीति में एक प्रमुख हस्ती, मरियम ने अपनी शिक्षा लाहौर के कॉन्वेंट ऑफ जीसस एंड मैरी से प्राप्त की और बाद में बीकनहाउस स्कूल सिस्टम में दाखिला लिया। मरियम की शादी देश के एक व्यवसायी और राजनीतिज्ञ मुहम्मद सफ़दर अवान से हुई है और दंपति के तीन बच्चे

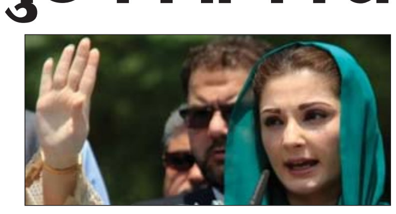

हैं। पार्टी के अध्यक्ष के रूप में चुने जाने पर मरियम ने 2013 के पाकिस्तान चुनावों में पीएमएल-एन को जीत दिलाई। अपने पिता के सलाहकार के रूप में उन्होंने 2008 में उनके पुन~चुनाव अभियान में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। तब उन्हें पंजाब पर्यटन विकास निगम के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया था। 2017 में पनामा पेपर्स घोटाले के आलोक में पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने मरियम को सार्वजनिक पद संभालने से अयोग्य घोषित कर दिया था। अदालत ने फैसला सुनाया था कि वह भ्रष्टाचार और मनी लॉन्ड्रिंग में शामिल थी, हालांकि, मरियम ने किसी भी गलत काम से इंकार कर कहा कि वह निर्दोष थी। उन्हें पाकिस्तान में एक मजबूत और करिश्माई नेता के रूप में देखा जाता है जो देश के सामने आने वाली चुनौतियों का सामना करने में सक्षम है। रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की बेटी मरियम नवाज के पास 842.58 मिलियन रुपये से अधिक की संपत्ति है। मरियम ने कागजात में बताया है कि उनके पास 17.5 लाख रुपये का सोना है। जबकि, उनके विभिन्न बैंक खातों में 10 मिलियन से अधिक रुपये हैं।

क्या है पाकिस्तान चुनाव परिणाम का गणित

पंजाब विधानसभा चुनावों में पीएमएल-एन ने 137 सीटें हासिल कीं, जबकि पूर्व प्रधानमंत्री इमरान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) द्वारा समर्थित निर्दलीय उम्मीदवारों ने 113 सीटें जीतीं। लगभग 20 निर्दलीय, जो पीटीआई से संबद्ध नहीं हैं, पहले ही पीएमएल-एन के साथ गठबंधन कर चुके हैं। पीटीआई द्वारा समर्थित लोग महिलाओं और अल्पसंख्यकों के लिए आरक्षित सीटें सुरक्षित करने और सैन्य प्रतिष्ठान के दबाव के बीच अपनी वफादारी बनाए रखने के लिए सुन्नी इत्तेहाद परिषद (एसआईसी) में शामिल हो गए हैं। हालाँकि, कानूनी चिंताओं के कारण आरक्षित सीटों के लिए एसआईसी की पात्रता के बारे में संदेह है, जिससे संभावित रूप से पंजाब में पीएमएल-एन को साधारण बहुमत मिल जाएगा।

नेपाल में तीन मंत्रियों की बर्खास्तगी पर अड़ा विपक्ष, संसद में हंगामा, प्रधानमंत्री से मांगा जवाब

काठमांडू (एजेंसी)। नेपाल की प्रचंड सरकार के तीन मंत्रियों की बर्खास्तगी की मांग को लेकर शुक्रवार को मुख्य विपक्षी पार्टी नेकपा (एमाले) के सदस्यों ने संसद में जमकर हंगामा किया। विपक्ष इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री पुष्पकमल दहाल 'प्रचंड' के बयान की मांग पर अड़ा रहा। विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण सदन में दिनभर कोई कामकाज नहीं हो सका।

नेकपा (एमाले) के सदस्यों ने प्रधानमंत्री प्रचंड से उनके तीन मंत्रियों पर दोष साबित होने के बावजूद कार्रवाई नहीं करने को लेकर आलोचना की। नेपाली संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा की कार्यवाही में नेकपा (एमाले) के नेता योगेश भट्टराई ने कहा कि जब तक भौतिक निर्माण एवं यातायात मंत्री प्रकाश ज्वाला, स्वास्थ्य मंत्री मोहन बहादुर बस्नेत और पर्यटन संस्कृति एवं नागरिक उड्डयन मंत्री सुदन किरांती की बर्खास्तगी नहीं होती, सदन की कार्रवाई नहीं चलने देंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री को स्वयं इस विषय पर सदन में जवाब देना चाहिए।

पुलिस की गोली लगने से दो नागरिकों की मौत होने के बाद सरकार की जांच समिति ने मंत्री प्रकाश ज्वाला को दोषी ठहराया है। विपक्ष की मांग है कि सरकारी जांच समिति में ही जब मंत्री को मुख्य दोषी करार दे दिया गया है तो फिर उस मंत्री को पद पर बने रहने का कोई अधिकार नहीं है। नेकपा (एमाले) के प्रमुख सचेतक पदम गिरी ने प्रधानमंत्री से मांग की है कि वो मंत्री प्रकाश ज्वाला को तत्काल बर्खास्त करें। पिछले महीने एक विरोध प्रदर्शन के दौरान मंत्री ज्वाला के जबरन भीड़ में जाने के कारण पुलिस को गोली चलानी पड़ी जिससे दो प्रदर्शनकारियों की मौत गई थी।

दूसरे विपक्षी दल राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी (आरपीपी) ने संस्कृति मंत्री सुदन किरांती की बर्खास्तगी की मांग की है। कुछ दिन पहले हिन्दू विरोधी अभिव्यक्ति देने और क्रिश्चियन धर्म नहीं मानने वाले को संविधान विरोधी कहने वाले मंत्री किरांती को हटाने की मांग की गई है। आरपीपी सांसद धवल शमशेर राणा ने प्रतिनिधि सभा में कहा कि बहुसंख्यक हिन्दू धर्मावलंबियों की भावना को ठेस पहुंचाने के कारण किरांती को मंत्री बने रहने का कोई अधिकार नहीं है। इसी तरह मंत्री किरांती पर पशुपतिनाथ मंदिर ट्रस्ट के कार्यकारी निदेशक के पद पर एक क्रिश्चियन महिला को नियुक्त करने का भी आरोप है।

एक अन्य विपक्षी दल राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी की सांसद डॉ. तोषिमा कार्की ने स्वास्थ्य मंत्री द्वारा किए गए विभिन्न राजनीतिक नियुक्ति में पैसे के लेन-देन को लेकर कई स्थानीय मीडिया में प्रमाण सहित खबर प्रकाशित होने के बावजूद उनके खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं होने पर दुख

व्यक्त किया है। डॉ. कार्की ने सदन में बताया कि सिर्फ राजनीतिक नियुक्ति ही नहीं बल्कि अस्पतालों में खरीद की गई मशीनों में मंत्री और उनके रिश्तेदारों को कमीशन दिए जाने की भी खबर प्रमाण सहित प्रकाशित होने के बाद स्वास्थ्य मंत्री को पद पर बने रहने का कोई हक नहीं है इसलिए उन्हें तुरंत बर्खास्त करना चाहिए। इन तीनों मंत्रियों की इस्तीफे की मांग पर अड़े विपक्षी सदस्यों के हंगामे के बाद स्पीकर देवराज घिमिरे को सदन की कार्यवाही को पहले 15 मिनट के लिए फिर एक घंटे के लिए स्थगित करनी पड़ी। विपक्ष के हंगामे के कारण सदन में कोई कामकाज नहीं हो सका।

किसान आंदोलन : खनौरी बॉर्डर पर एक और किसान की मौत

चंडीगढ़ । किसान आंदोलन के बीच एक और किसान की मौत हो गई। खनौरी बॉर्डर पर किसान की हार्ट अटैक से मौत हो गई। इससे पहले, पंजाब सरकार ने उस किसान के लिए 1 करोड़ रुपये की अनुग्रह राशि की घोषणा की है, जिसकी बुधवार को हरियाणा पुलिस और पंजाब के किसानों के बीच झड़प के बीच मौत हो गई थी। वह बठिंडा का रहने वाला था। किसानों और केंद्र के बीच चल रहे गतिरोध के बीच, अंबाला जिले में हरियाणा पुलिस ने स्पष्ट किया है कि वह राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए), 1980 के तहत फार्म यूनियन नेताओं और आंदोलनकारियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू नहीं करेगी। अंबाला पुलिस ने पहले कहा था किसान नेताओं के खिलाफ एनएसए लगाया जाएगा, उनका आरोप है कि उनमें से कई आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं और कानून-व्यवस्था को बिगाड़ रहे हैं। आईजीपी अंबाला रेंज ने कहा, यह सभी संबंधितों को स्पष्ट करना है कि जिला अंबाला के कुछ फार्म यूनियन नेताओं पर राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम के प्रावधानों को लागू करने के मामले पर पुनर्विचार किया गया है और यह निर्णय लिया गया है कि इसे लागू नहीं किया जाएगा। हरियाणा पुलिस प्रदर्शनकारियों और उनके नेताओं से शांति बनाए रखने और कानून व्यवस्था बनाए रखने में अधिकारियों के साथ सहयोग करने की अपील करती है। अंबाला पुलिस ने यह भी कहा कि प्रदर्शनकारियों को आंदोलन के दौरान सार्वजनिक संपत्ति को हुए किसी भी नुकसान के लिए मुआवजा देना होगा और उनकी संपत्तियों को कुर्क करने और बैंक खातों को जब्त करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

केरल में माकपा नेता की हत्या के विरोध में पार्टी ने बंद का किया आह्वान

कोझिकोड। केरल में सत्तारूढ़ वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) के घटक दल मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) ने पार्टी के कोयिलैंडी शहर के स्थानीय सचिव पीवी सत्यनाथन की हत्या के विरोध में शुक्रवार को नगर पालिका और आसपास की चार पंचायतों में सुबह से शाम तक बंद का आह्वान किया है। अरिकुलम, कीझारियूर, चेंगोट्टुकावु और चेमनचेरी पंचायत क्षेत्र में बंद प्रभावी रहेगा। पुलिस सूत्रों के अनुसार निजी दुश्मनी के कारण श्री सत्यनाथ (64) की कल रात चाकू से हमला करके हत्या कर दी गयी थी। पुलिस ने नेता के पड़ोसी अभिलाष (33) को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी माकपा की पेरुवत्तूर शाखा समिति का पूर्व सदस्य भी है और वह कोयिलैंडी नगर पालिका में अस्थायी ड्राइवर के रूप में काम कर रहा था। पेरुवत्तोर चेरियापुरम पारादेवथा मंदिर परिसर में मंदिर समिति आयोजित कल रात एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया था। इस बीच रात करीब 10 बजे अभिलाष ने श्री सत्यनाथन पर पीछे से चाकू से हमला किया। नेता की गर्दन और पीठ पर गहरी चोटें आईं। उन्हें पास के अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। बाद में शव को पोस्टमार्टम के लिए कोझिकोड मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया गया। पुलिस ने दावा किया कि घटना के बाद अभिलाष ने आत्मसमर्पण कर दिया और अपराध स्वीकार करते हुए कहा कि उसकी नेता के साथ निजी दुश्मनी थी। पार्टी सूत्रों ने बताया कि इससे पहले पार्थिव शरीर को कोयिलैंडी के टाउन हॉल में रखा जाएगा ताकि लोग दिवंगत नेता को अंतिम श्रद्धांजलि दे सकें। अंतिम संस्कार आज शाम कोयिलैंडी में किया जायेगा।

13 मार्च के बाद हो सकता है चुनाव का ऐलान

– 7 से 8 चरणों में होगा मतदान

नई दिल्ली । 2024 भारतीय चुनाव आयोग 13 मार्च के बाद लोकसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा कर सकता है। चुनाव आयोग के सूत्रों ने बताया कि आयोग आम चुनाव की तैयारियों का आकलन करने के लिए कई राज्यों का दौरा कर रहा है और एक बार यह पूरा हो जाने के बाद तारीखों की घोषणा की जाएगी। केंद्रीय चुनाव निकाय के अधिकारी वर्तमान में तमिलनाडु का दौरा कर रहे हैं। इसके बाद उत्तर प्रदेश और जम्मू-कश्मीर का दौरा किया जाएगा। राज्य का दौरा 13 मार्च से पहले पूरा होने वाला है। बताया जा रहा है कि 7 से 8 चरणों में मतदान हो सकता है। चुनाव को लेकर सभी पार्टियां अपनी-अपनी कमर ली है। आयोग पिछले कुछ महीनों से तैयारियों का आकलन करने के लिए सभी राज्यों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों (सीईओ) के साथ नियमित बैठकें कर रहा है। अधिकारियों ने बताया कि सीईओ ने समस्या वाले क्षेत्रों, ईवीएम की आवाजाही, सुरक्षा बलों की उनकी आवश्यकता, सीमाओं पर कड़ी निगरानी को सूचीबद्ध किया है।

आयोग एआई की लेगा मदद

चुनाव आयोग ने मई से पहले होने वाले लोकसभा चुनावों के स्वतंत्र और निष्पक्ष संचालन के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीक तैनात करने का फैसला किया है। सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर गलत सूचनाओं को चिह्नित करने और हटाने के लिए ईसीआई के भीतर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के लिए एक समर्पित प्रभाग बनाया गया है।

'न्याय यात्रा' में मुरादाबाद से शामिल होंगी प्रियंका गांधी

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा आगामी रविवार को उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद से 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' में शामिल होंगी और फतेहपुर सीकरी तक इस यात्रा में साथ रहेंगी। पार्टी के अनुसार, प्रियंका गांधी मुरादाबाद से यात्रा के साथ जुड़ेंगी और फिर अमरोहा, संभल, बुलंदशहर, अलीगढ़, हाथरस तथा आगरा होते हुए फतेहपुर सीकरी तक साथ रहेंगी। प्रियंका गांधी को चंदौली से ही इस यात्रा में शामिल होना था, लेकिन अस्वस्थ होने के चलते वह इसमें शामिल नहीं हो सकीं। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव भी आगरा में राहुल गांधी के साथ इस यात्रा में शामिल होने वाले हैं। कांग्रेस और समाजवादी पार्टी ने बुधवार को लोकसभा चुनाव के लिए सीट बंटवारे की घोषणा की थी। कांग्रेस उत्तर प्रदेश की कुल 80 सीटों में से 17 सीट पर चुनाव लड़ेगी। 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' बुधवार को कानपुर में थी, जबकि 22 और 23 फ़रवरी को यात्रा में विराम है। यह यात्रा 24 फ़रवरी की सुबह मुरादाबाद से फ़िर शुरू होगी। उसके बाद अमरोहा, संभल, अलीगढ़, हाथरस, और आगरा जिलों से गुजरते हुए यात्रा राजस्थान के धौलपुर में रुकेगी। इसके बाद 26 फ़रवरी से एक मार्च तक यात्रा में विराम होगा ताकि राहुल गांधी 27 और 28 फरवरी को इंग्लैंड के कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय में दो विशेष व्याख्यान दे सकें और नई दिल्ली में होने वाली पार्टी की कुछ महत्वपूर्ण बैठकों में शामिल हो सकें। इस विराम के बाद दो मार्च को अपराह्न दो बजे धौलपुर से एक बार फिर 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' शुरू होगी। इसके बाद यह मुरैना, ग्वालियर, शिवपुरी, गुना, शाजापुर और उज्जैन-सहित मध्यप्रदेश के अन्य ज़िलों से गुजरेगी। 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' 14 जनवरी को मणिपुर से आरंभ हुई थी। अगले महीने मुंबई में इसका समापन होना है।

रक्षा क्षेत्र में, विशेषकर एयरोस्पेस क्षेत्र में पूर्ण आत्मनिर्भरता जरूरी : डीसीएएस

नई दिल्ली। वायुसेना उप प्रमुख एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित ने शुक्रवार को कहा कि एक राष्ट्र को 'औद्योगिक रूप से मजबूत' बनना है और रक्षा क्षेत्र में, विशेष रूप से एयरोस्पेस के क्षेत्र में पूर्ण आत्मनिर्भरता जरूरी है। यहां आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में उन्होंने यह बात कही। उनके अनुसार, यह देखा जा रहा है कि दुनिया में हमारे आसपास हो रहे 'दो युद्धों' के बाद 'आत्मनिर्भरता' और अधिक महत्वपूर्ण होती जा रही है। दिल्ली छावनी के मानेकशॉ सेंटर में आयोजित इस सम्मेलन का शीर्षक 'एनर्जाइजिंग इंडियन एयरोस्पेस इंडस्ट्री - आत्मनिर्भर भारत के लिए चुनौतियाँ' है। सम्मेलन में भारतीय वायु सेना के कई अन्य वरिष्ठ अधिकारी और रक्षा उद्योग संबंधी विभिन्न कंपनियों के प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। एयर मार्शल दीक्षित ने कहा, 'हर देश आत्मनिर्भर बनना चाहता है। और हम देख रहे हैं किज्दुनिया में हमारे आसपास हो रहे इन दो युद्धों के बाद, यह और अधिक महत्वपूर्ण होता जा रहा है।' उनकी टिप्पणी रूस-यूक्रेन संघर्ष और इज़राइल-हमास संघर्ष की पृष्ठभूमि में आई है। उन्होंने भारतीय वायुसेना में 'आत्मनिर्भरता' की आवश्यकता और वर्तमान में बल के आगे बढ़ने की राह में आने वाली चुनौतियों पर जोर दिया। वायुसेना उप प्रमुख ने कहा, 'हमें औद्योगिक रूप से मजबूत बनना होगा, रक्षा क्षेत्र में पूर्ण आत्मनिर्भरता की आवश्यकता है, खासकर एयरोस्पेस क्षेत्र में'

कांग्रेस के लिए ममता ने खोले बंद दरवाजे ! सीटों के बंटवारे को लेकर हो रहा मंथन

नई दिल्ली (एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस और कांग्रेस के बीच सीट बंटवारे की बातचीत पटरी पर आ गई है। सूत्रों ने इस बात की जानकारी दी है। इतना ही नहीं, अगर दोनों पार्टियों के बीच बात बनी तो 1 और 2 मार्च को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पश्चिम बंगाल दौरे से पहले कोई घोषणा हो सकती है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पीएम 6 मार्च को एक बार फिर बंगाल में होंगे जब वह बारासात का दौरा करेंगे। खबरों के मुताबिक, तृणमूल कांग्रेस मेघालय में एक सीट और असम में दो सीटों की मांग कर रही है। जानकारी के मुताबिक ममता बनर्जी ने कांग्रेस को पश्चिम बंगाल की 42 में से 5 सीट देने की पेशकश की है।

यह टीएमसी सुप्रीमो और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की घोषणा के करीब एक महीने बाद आया है कि उनकी पार्टी राज्य में आगामी लोकसभा चुनाव अकेले लड़ेगी। अखिलेश यादव के नेतृत्व वाली समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश के लिए सीट बंटवारे की रणनीति पर भी फैसला किया। कांग्रेस 17 लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी और शेष 63 सीटों पर समाजवादी पार्टी और इंडिया ब्लॉक के अन्य गठबंधन सहयोगी चुनाव लड़ेंगे।

इस बीच, सूत्रों ने कहा कि कांग्रेस को टीएमसी की पेशकश पश्चिम बंगाल, मेघालय और असम के लिए वही रहेगी। पश्चिम बंगाल में, जहां टीएमसी सत्ता में है, पार्टी कुल 42 में से कांग्रेस को दो सीटें देने को तैयार है। कांग्रेस और टीएमसी के बीच पहले दरार तब शुरू हुई थी जब बंगाल में सत्तारूढ़ पार्टी ने कथित तौर पर कम से कम आठ से दस सीटों के लिए 'सबसे पुरानी पार्टी' के अनुरोध को अस्वीकार कर दिया था। मेघालय और असम के लिए टीएमसी कांग्रेस को एक-एक सीट की मांग कर सकती है। असम में 14 और मेघालय में दो लोकसभा सीटें हैं।

मेघालय की तुरा लोकसभा सीट इंडिया गुट की दो पार्टियों के बीच मुकाबला का मुद्दा बन गई है। कांग्रेस ने टीएमसी को सीट सौंपने से इनकार कर दिया, लेकिन टीएमसी का दावा है कि उसकी पार्टी के सदस्यों को तुरा से चुनाव लड़ना चाहिए क्योंकि उसे 2019 में 28 फीसदी वोट मिले थे। दूसरी ओर, कांग्रेस केवल नौ फीसदी वोट पाने में सफल रही। कांग्रेस और टीएमसी के बीच तनातनी का एक और मुद्दा अधीर रंजन चौधरी का ममता बनर्जी पर हमला है। कांग्रेस नेता ने अक्सर टीएमसी प्रमुख की आलोचना की है और उन्हें एक अवसर पर 'अवसरवादी' और दूसरे अवसर पर 'दलाल' कहा है।

शरद पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी को चुनाव चिह्न मिला

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री शरद पवार के गुट वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) को लोकसभा चुनाव से पहले चुनाव चिह्न आवंटित कर दिया गया है जिसमें तुरहा बजाते हुए एक व्यक्ति है। चुनाव आयोग ने श्री पवार को गुरुवार रात पत्र भेजकर इसकी सूचना दी। आयोग ने कहा कि पावर गुट लोकसभा चुनाव में तुरहा बजाते हुए आदमी के चुनाव चिह्न का उपयोग कर सकेगा। आयोग ने यह निर्णय राकांपा में विभाजन के बाद उठे विवाद के संबंध में उच्चतम न्यायालय के निर्णय को ध्यान में रखते हुए लिया है। आयोग विधानसभा में सदस्यों की संख्या के आधार पर श्री पवार के भतीजे अजीत पवार के नेतृत्व वाले गुट को असली राकांपा करार दे चुका है। राकांपा ने चुनाव आयोग द्वारा प्राप्त चिह्न पर खुशी जाहिर करते हुए कहा है कि यह उसके लिए गर्व की बात है। इसके पहले इस पार्टी को चुनाव चिह्न के रूप में 'वटवृक्ष' मिला था जिस पर विश्व हिन्दू परिषद ने यह कहकर इस पर आपत्ति जतायी थी कि यह उसके संगठन का पंजीकृत चिह्न है।

'नानी को ननिहाल का हाल सुना रहे हैं मोदी', पेपर लीक के बहाने पीएम पर राहुल गांधी का सीधा वार

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर पलटवार किया है। दोनों नेताओं के बीच वार-पलटवार का दौर जारी है। पेपर लीक को लेकर राहुल ने मोदी पर निशाना साधा है। उन्होंने अपने एक्स पोस्ट में कहा कि लखनऊ से लेकर प्रयागराज तक पुलिस भर्ती पेपर लीक को लेकर युवा सड़कों पर हैं। और वहां से मात्र 100 किमी दूर वाराणसी में प्रधानमंत्री युवाओं के नाम पर युवाओं को ही बरगला रहे हैं। ठेठ बनारसी अंदाज में कहें तो मोदी जी 'नानी को ननिहाल का हाल सुना रहे हैं'।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने उत्तर प्रदेश में पुलिस भर्ती परीक्षा का प्रश्नपत्र कथित तौर पर लीक होने के विरोध में प्रतियोगी छात्रों के प्रदर्शन की ओर ध्यान दिलाते हुए शुक्रवार को कहा कि पेपर लीक की चर्चा प्रदेश के गांव-गांव में हो रही है, लेकिन सरकार सो रही है। प्रियंका गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''फिर से परीक्षा, फिर से परीक्षा....बस एक बार सोच कर देखिए- 50 लाख से अधिक युवाओं ने फॉर्म भरा। ये प्रदेश के इतिहास की सबसे बड़ी परीक्षा थी। 400 रुपये का एक फॉर्म था। 48 लाख एडमिट कॉर्ड (प्रवेश पत्र) जारी हुए और परीक्षा के पहले पेपर लीक हो गया। क्या बीत रही होगी बच्चों पर? उनके परिवारों पर? '' उन्होंने कहा कि ऐसा ही समीक्षा अधिकारी की परीक्षा में हुआ और पेपर लीक हो गया।

मोदी ने शुक्रवार को कहा कि जब उन्होंने उत्तर प्रदेश के युवाओं के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला 'नशेड़ी' शब्द सुना तो वह हैरान रह गए। राहुल गांधी का नाम लिए बिना पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस परिवार के राजकुमार कहते हैं कि यूपी के युवा 'नशेड़ी' हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, 'उन्होंने मोदी को गाली देने में दशकों बिताए। लेकिन अब वे अपनी हताशा लोगों पर प्रकट कर रहे हैं।' राहुल पर हमला करते हुए मोदी ने कहा कि कांग्रेस के युवराज का कहना है कि काशी के नौजवान, यूपी के नौजवान नशेड़ी हैं। जिनके अपने होश ठिकाने नहीं हैं, वो यूपी के, मेरी काशी के बच्चों को नशेड़ी कह रहे हैं।

बीआरएस विधायक नंदिता की सड़क हादसे में मौत

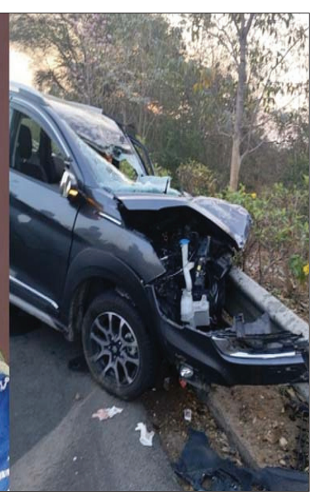

हैदराबाद (एजेंसी)। तेलंगाना में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की विधायक लस्या नंदिता की शुक्रवार को संगारेड्डी जिले के पतनचेरु में एक भीषण सड़क दुर्घटना में मौत हो गयी। सिकंदराबाद कैंट से विधायक 33 वर्ष की थीं। पुलिस के अनुसार बेकाबू कार के डिवाइडर से टकराने से यह हादसा हुआ।

बीआरएस प्रमुख के. चंद्रशेखर राव ने सुश्री नंदिता के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने भी विधायक ने निधन पर शोक व्यक्त किया है।

पुलिस ने कहा कि यह दुर्घटना आज तड़के तब हुई जब विधायक सिकंदराबाद से सदाशिवपेट जा रही थीं। ड्राइवर ने नियंत्रण खो दिया जिससे कार डिवाइडर से टकरा गई। इस हादसे में विधायक की मौके पर ही मौत हो गई जबकि ड्राइवर को गंभीर चोटें आईं हैं। उसे निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

शव को पोस्टमार्टम के लिए पाटनचेरु एरिया अस्पताल भेज दिया गया है। बाद में उसे चिक्कड़पल्ली स्थित उनके आवास पर ले जाया जाएगा।

पुलिस ने मामला दर्ज करके जांच शुरू कर दी है।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने सुश्री नंदिता के निधन पर शोक व्यक्त किया है। श्री रेड्डी 'एक्स' पर कहा, 'कैंट विधायक लस्या नंदिता की असामयिक निधन से मुझे गहरा धक्का लगा। नंदिता के पिता स्वर्गीय सयन्ना के साथ मेरे करीबी रिश्ते थे। पिछले साल इसी महीने में उनका निधन हो गया था। यह बहुत दुखद है कि नंदिता भी नहीं रहीं। उनके परिवार के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। मैं ईश्वर से उनकी आत्मा को शांति प्रदान करने की प्रार्थना करता हूं।'

सुश्री नंदिता इससे पहले नलगोंडा से हैदराबाद लौटते समय एक सड़क दुर्घटना में घायल हो गई थीं। पिछले वर्ष 19 फरवरी को दिल का दौरा पड़ने से उनके पिता का निधन हो गया था । उसके बाद सुश्री नंदिता ने छावनी क्षेत्र से चुनाव जीता था।

खनौरी सीमा पर मारे गए किसान के परिवार को एक करोड़ रुपये, बहन को नौकरी देगी पंजाब सरकार

चंडीगढ़(एजेंसी)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने खनौरी सीमा पर मारे गए किसान शुभकरण सिंह के परिवार को मुआवजे के तौर पर एक करोड़ रुपये और उसकी बहन को सरकारी नौकरी देने की घोषणा की। पंजाब-हरियाणा सीमा पर खनौरी में बुधवार को झड़प में बठिंडा के किसान सिंह (21) की मौत हो गई थी और 12 पुलिसकर्मी घायल हो गए थे। यह घटना तब हुई जब प्रदर्शन कर रहे कुछ किसानों ने अवरोधकों की ओर बढ़ने की कोशिश की थी। मान ने पंजाबी भाषा में एक पोस्ट में कहा, 'खनौरी बॉर्डर पर किसान आंदोलन के दौरान शहीद हुए शुभकरण सिंह के परिवार को पंजाब सरकार की ओर से एक करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता और उनकी छोटी बहन को सरकारी नौकरी दी जाएगी। दोषियों के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी।' किसान नेता सिंह के परिवार को मुआवजा और उसके परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की मांग कर रहे थे। इसके अलावा उन्होंने किसान की मौत के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज करने की भी मांग की थी। किसान नेताओं ने सिंह को 'शहीद' का दर्जा दिए जाने की भी मांग की थी। सिंह बठिंडा के बल्लो गांव का निवासी था। सिंह का शव पटियाला के राजेन्द्र अस्पताल में रखा गया था लेकिन किसानों के अपनी मांगों पर अड़े रहने के कारण पोस्टमॉर्टम में देरी हुई। मुख्यमंत्री ने बुधवार को कहा था कि वह युवा किसान की मौत से दुखी हैं साथ ही उन्होंने कहा था कि दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। मान ने कहा था, 'पोस्टमॉर्टम के बाद मामला दर्ज किया जाएगा। उसकी मौत के लिए जिम्मेदार अधिकारियों को कड़ी कार्रवाई का सामना करना होगा।' संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनीतिक) और किसान मजदूर मोर्चा (केएमएम) फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर कानूनी गारंटी और कृषि ऋण माफी सहित अपनी मांगों के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत केंद्र सरकार पर दबाव बनाने के वास्ते 'दिल्ली चलो' मार्च का नेतृत्व कर रहे हैं।

भयंकर जलसंकट की आहट: 60 करोड़ भारतीयों पर मंडराएगा संकट

-पानी की कमी से अगले 7 सालों में जीडीपी को होगा बड़ा नुकसान...भारत के सिलिकॉन वैली में लोगों ने शुरू की पानी की राशनिंग, तेजी से सूख रहे पोखर, तालाब एवं झीलें

-भारत में दुनिया की 18 प्रतिशत आबादी का हिस्सा, जबकि देश के पास सिर्फ 4 प्रतिशत जल संसाधन

- बेंगलुरु समेत कई शहरों में अभी से दोगुनी कीमत पर बिक रहा पानी, बढ़ेगा और संकट,

नई दिल्ली/बेंगलुरु/भोपाल (एजेंसी)। देश में अभी गर्मी की दस्तक भले ही नहीं हुई है, लेकिन जल संकट की आहट शुरू हो गई है। जबकि गर्मी आने में अभी एक महीना बाकी है। आशंका जताई जा रही है कि देश के कई राज्यों में गर्मी में भयंकर जलसंकट हो सकता है। मौसम विभाग के अनुसार जलवायु परिवर्तन के कारण मानसून कमजोर होने के कारण दक्षिण भारत के राज्यों के साथ ही दिल्ली, मप्र, छग, राजस्थान, महाराष्ट्र में जल संकट का सबसे अधिक असर पड़ेगा। दरअसल, इन राज्यों में पोखर, तालाब, छोटी नदियां और झीलें तेजी से सूख रही है।

जलवायु परिवर्तन के दौर में मानसून और उस पर निर्भर जल संसाधनों पर बुरा असर पड़ा है। पूरे भारत में कई बड़ी नदियों के सूखने के साथ भारत को जल संकट का सामना करना पड़ सकता है। इस तरह का गंभीर जल संकट कभी नहीं देखा गया है। भारत में दुनिया की आबादी का 18 प्रतिशत हिस्सा है, जबकि देश के पास सिर्फ 4 प्रतिशत जल संसाधन हैं। ये भारत को दुनिया में सबसे ज्यादा पानी की कमी वाले देशों में से एक बनाता है। यही वजह है कि पिछले कुछ सालों में गर्मियों के आते ही पानी भारत में सोने की तरह कीमती चीज बनती जा रही है। नीति आयोग की एक हालिया रिपोर्ट के मुताबिक बड़ी संख्या में भारतीय जल संकट का सामना करते हैं। अपनी पानी की जरूरतों के लिए भारत की अनियमित मानसून पर निर्भरता इस चुनौती को और बढ़ा रही है। इससे लाखों लोगों का जीवन और आजीविका खतरे में हैं। फिलहाल, 60 करोड़ भारतीयों पर गंभीर जल संकट मंडरा रहा है और पानी की कमी और उस तक पहुंचने में आने वाली मुश्किलों की वजह से हर साल लगभग दो लाख लोगों की मौत हो जाती है। 2030 तक देश की पानी की मांग, उपलब्ध आपूर्ति से दोगुनी होने का अनुमान है, जिससे लाखों लोगों के लिए पानी की गंभीर कमी और देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में करीब 6 प्रतिशत का नुकसान होने का अनुमान है।

40,000 करोड़ क्यूबिक मीटर से ज्यादा पानी का उपभोग

यदि पानी का सबसे ज्यादा उपभोग करने वाले देशों की बात करें तो उसमें भी भारत शामिल है, जोकि हर साल 40,000 करोड़ क्यूबिक मीटर से भी ज्यादा पानी का उपभोग कर रहा है। जबकि हाल ही में एक्राडक्ट वाटर रिस्क एटलस में भी जल संकट का सबसे ज्यादा सामना कर रहे 17 देशों की लिस्ट में भारत को 13वां स्थान दिया है। जो देश में बढ़ते जल संकट को दर्शाता है। वहीं नाइट्रोजन प्रदूषण के प्रभावों को ध्यान में रखते हुए वैज्ञानिकों ने पाया है कि 2050 तक पानी की किल्लत और गुणवत्ता में आती गिरावट का सामना करने वाले इन नदी बेसिनों का यह आंकड़ा बढक़र 3,061 पर पहुंच जाएगा। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि नाइट्रोजन प्रदूषण और बढ़ते दबाव के चलते इन सबबेसिनों में या तो पीने के लिए पर्याप्त पानी नहीं होगा और यदि होगा तो वो इतना दूषित होगा कि इंसानों और दूसरे जीवों के उपयोग के लायक नहीं रहेगा। इसका मतलब है कि पानी की कमी और उसकी गुणवत्ता में आती गिरावट से वैश्विक स्तर पर 680 से 780 करोड़ लोग प्रभावित हो सकते हैं, जो पिछले अनुमान से करीब 300 करोड़ ज्यादा है।

सिलकॉन वैली में सबसे खराब स्थिति

भारत का सिलकॉन वैली यानी बेंगलुरु इस समय पानी की किल्लत से जूझ रहा है। पिछली साल बेंगलुरू में साउथवेस्ट मॉनसून कमजोर रहा है। इसकी वजह से कावेरी नदी के बेसिन में पानी का स्तर कम हो गया। इस नदी से जिन जलस्त्रोतों में पानी भरता था, वो भी लगभग खाली हैं। बेंगलुरू के कुछ जलाशय तो सूख गए हैं। हजारों आईटी कंपनियों और स्टार्टअप्स वाले इस शहर में करीब 1.40 करोड़ लोग रहते हैं। गर्मियों के आने से पहले ही यहां के लोग पानी को दोगुने कीमत पर खरीदने को मजबूर हैं। कुछ लोगों ने अपने रोजमर्रा में इस्तेमाल होने वाली पानी की मात्रा में कमी ला दी है। राशनिंग कर रहे हैं। बेंगलुरू के कुछ इलाकों में पानी टैंकर डीलर हर महीने का 2000 रुपए ले रहे हैं। जबकि एक महीने पहले यह मात्र 1200 रुपए था। इतने रुपयों में 12 हजार लीटर वाला पानी का टैंकर आता था। होरामावू इलाके में रहने वाले और पानी खरीदने वाले संतोष सीए ने बताया कि हमें दो दिन पहले पानी के टैंकर की बुकिंग करनी पड़ती है। पेड़-पौधे सूख रहे हैं। एक दिन छोडक़र नहा रहे हैं, ताकि ज्यादा से ज्यादा पानी बचा सकें।

पानी के टैंकरों से सप्लाई

लोगों को इस बात की चिंता है कि पैसे देने के बाद भी टैंकर लाने वाले आते नहीं हैं। कहते हैं कि भूजल में कमी है। पानी कहां से लेकर आएं। कई बार पानी जिस दिन चाहिए उस दिन नहीं मिलता। उसके एक-दो दिन बाद मिलता है। बैंगलोर वाटर सप्लाई और सीवरेज बोर्ड शहर में पानी की सप्लाई के लिए जिम्मेदार संस्था है। यह संस्था पूरे शहर को ज्यादातर पानी कावेरी बेसिन से खींचकर देती हैं। कावेरी नदी का उद्गम स्थल तालाकावेरी है। यह नदी पड़ोसी राज्य तमिलनाडु से होते हुए बंगाल की खाड़ी में गिर जाती है।

79 प्रतिशत जलाशय, 88 प्रतिशत ग्रीन कवर खत्म

गर्मियों में भूजल निकाल कर पानी के टैंकरों से सप्लाई के लिए मजबूर हो जाती है। दक्षिण-पूर्व बेंगलुरु में रहने वाले शिरीष एन ने कहा कि पानी की सप्लाई करने वालों के लिए कोई नियम नहीं है। वो अपनी मर्जी से पानी की कीमतें बढ़ा देते हैं। इस साल भी उन्होंने पानी की कीमतें बढ़ाईं हैं। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंसेस की स्टडी के मुताबिक एक समय था जब बेंगलुरु को बगीचों का शहर और पेंशन वालों का स्वर्ग कहते थे। वजह थी इसका मॉडरेट जलवायु। लेकिन अब पर्यावरण वैसा नहीं है। पिछले चार दशक यानी 40 सालों से बेंगलुरु ने अपना 79 फीसदी जलाशय और 88 फीसदी ग्रीन कवर को खो दिया है। इमारतों की संख्या 11 गुना तेजी से बढ़ी है।

बेंगलुरु बनता जा रहा है शहरी खंडहर

एनर्जी एंड वेटलैंड्स रिसर्च ग्रुप के प्रमुख टीवी रामचंद्र ने बताया कि पेड़ों की कटाई और इमारतों की बढ़ती संख्या की वजह से शहर के भूजल में तेजी से गिरावट आई है। बारिश का पानी जो पहले जमीन के नीचे टिकता था, अब वैसा नहीं है। ग्राउंडवाटर रीचार्ज हो ही नहीं रहा है। ऐसे में पानी की किल्लत तो होगी ही। कोलिशन फॉर वाटर सिक्योरिटी के संस्थापक संदीप अनिरुद्धन ने कहा कि बेंगलुरु अब शहरी खंडहर का सबसे बड़ा उदाहरण है। क्योंकि ये तेजी से विकसित होने वाला शहर है। ढांचागत विकास तेज लेकिन कमजोर है। यहां आबादी तेजी से बढ़ती जा रही है। इसलिए प्राकृतिक संसाधनों की कमी होनी तय है।

खतरे की मार क्यों झेल रही हैं नदियां

भारतीय नदियों को जलवायु संकट, बांधों के अंधाधुंध निर्माण, और जल विद्युत की ओर बढ़ते बदलाव के साथ-साथ रेत खनन जैसे स्थानीय कारकों से गंभीर खतरा हो रहा है। बांधों और विकास परियोजनाओं की वजह से अधिकांश सबसे लंबी नदियां तेजी से सूख रही हैं। आज हमारी 96 प्रतिशत नदियां 10 किमी से 100 किमी के दायरे में हैं। लंबी नदियां 500-1000 किमी रेंज में हैं। भारत में लंबी नदियों की जरूरत है। पर्यावरण विशेषज्ञों का कहना है कि पानी की लगातार बढ़ती कमी की सबसे बड़ी वजह तालाबों को खोना है। 1.3 अरब से ज्यादा आबादी वाला देश जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण, मानवजनित गतिविधियों, भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों और लोगों के व्यवहार के कारण अपने तालाबों को खो रहा है। भूजल की कमी प्रमुख कारणों में से एक है और अति दोहन ने स्थिति पर नकारात्मक प्रभाव डाला है। पानी न केवल घरों के लिए एक समस्या है। बल्कि यह खेती और उद्योग के लिए जरूरी है। तमाम जल निकाय या तालाब और झील घरेलू और कृषि उद्देश्यों के लिए बहुत जरूरी हैं। ये जल भंडारण और पानी तक पहुंच उपलब्ध कराने में मदद करते हैं। बांधों से बनी झीलें बिजली पैदा करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

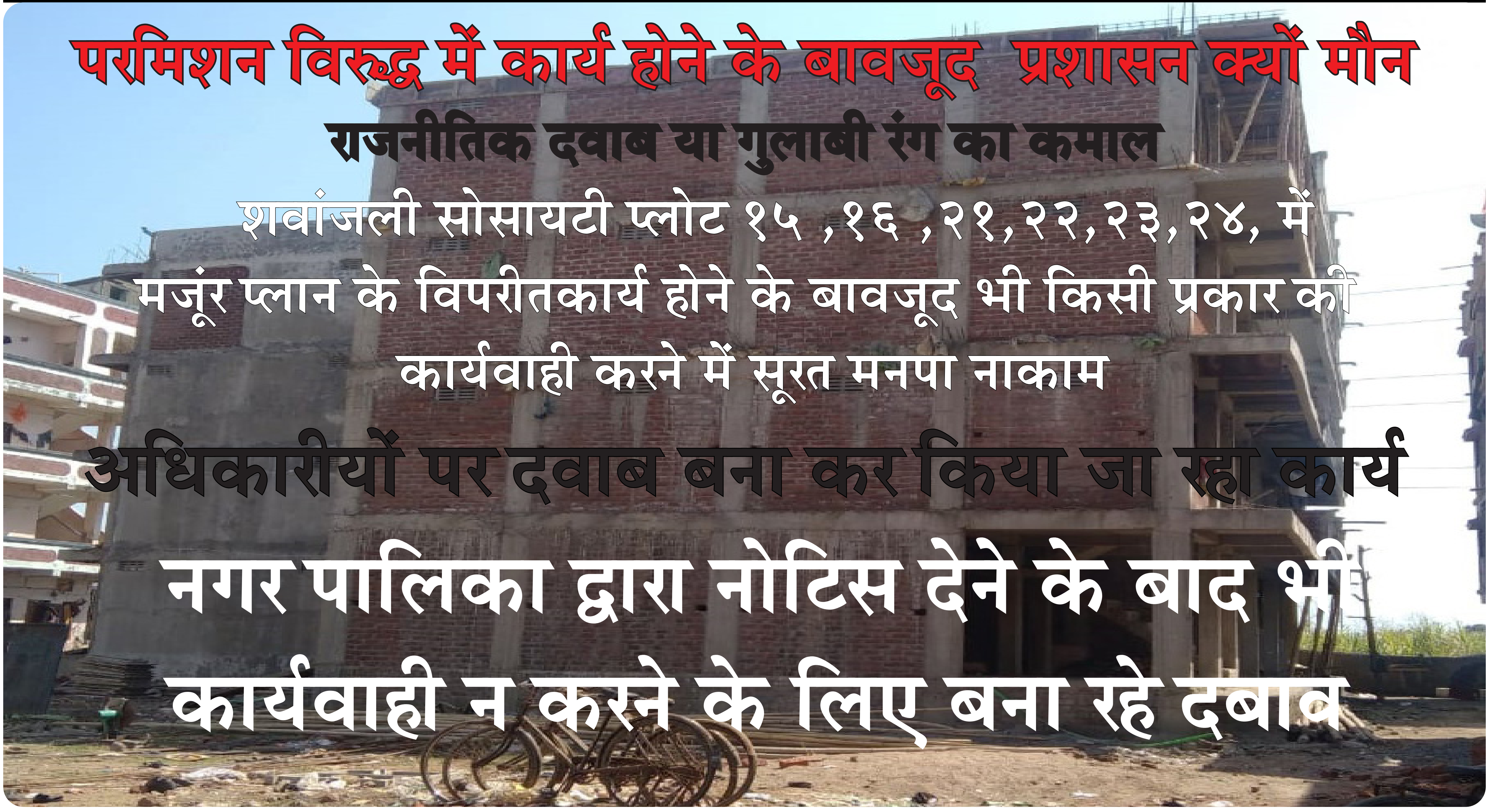

परमिशन विरुद्ध में कार्य होने के बावजूद प्रशासन क्यों मौन

राजनीतिक दवाब या गुलाबी रंग का कमाल

शवांजली सोसायटी प्लोट १५ ,१६ ,२१,२२,२३,२४, में मजूंर प्लान के विपरीतकार्य होने के बावजूद भी किसी प्रकार की कार्यवाही करने में सूरत मनपा नाकाम

अधिकारीयों पर दवाब बना कर किया जा रहा कार्य

नगर पालिका द्वारा नोटिस देने के बाद भी कार्यवाही न करने के लिए बना रहे दबाव

सोशल मीडिया पर सस्ते खिलौनों के विज्ञापन देखकर ठगने वाला गिरोह गिरफ्तार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के वराछा इलाके के युवाओं ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक में एक डमी वेबसाइट बनाई। जिसमें लालची विज्ञापन देकर लोगों से आर्थिक ठगी करने वाले गिरोह को गिरफ्तार किया गया है। ये आरोपी सस्ते खिलौने देने की स्कीमों के नाम पर पैसे ऐंठते थे। पुलिस ने तीनों आरोपियों को हिरासत में लेकर आगे की कार्रवाई की है।

फेसबुक पर खिलौने बेचने के लिए फ्लिपकार्ट नाम की फर्जी वेबसाइट बनाई गई थी। मात्र ३८९ रुपये में खिलौनों की लालच देकर ठगी की गई। ३५०० से अधिक विभिन्न लोगों को धोखा दिया गया। यह गैंग लोगों से छोटे-छोटे पैसे का चूना लगाता था ताकि कोई पुलिस शिकायत न हो। पुलिस ने बैंक खाते की जांच में बड़ा खुलासा किया है। आरोपियों के बैंक खाते में १३ लाख ८३ हजार से अधिक की रकम जमा थी।

पकड़े गए लोग हर दो दिन में फेसबुक पर अपनी आईडी

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक में डमी वेबसाइट बनाई,जिसमें लालची विज्ञापन देकर लोगों से कि आर्थिक ठगी पुलिस द्वारा गिरफ्तार

बदलते और डिलीट करते थे। वराछा पुलिस ने मामला दर्ज कर अवनिक भरत वघासिया, निखिल हसमुखभाई सावलिया और लक्षांत

पीएम मोदी के बंदोबस्त से लौटते वक्तअज्ञात वाहन की चपेट में आने से पुलिसकर्मी की मौत

मृतक सेतुलकुमार जयंतीलाल चौधरी ४ साल से पुलिस में नौकरी कर रहा था

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत पुलिस हेड क्वार्टर पुलिस जवान पीएम नरेंद्र मोदी के तापी जिले के काकरापार कार्यक्रम के दौरान बंदोबस्त पर थे । कार्यक्रम पुरा होने के बाद अपनी बाईक से सूरत लौट रहे थे तभी अज्ञात वाहन की चपेट में आने से उसकी मौत हो गयी। सूरत सिविल अस्पताल में पोस्ट मोर्टम के बाद पुलिस बेन्ड ने मृतक पुलिस जवाने के सम्मान में गार्ड ऑफ ओनर दिया।

पुलिस कांस्टेबल सेतुल चौधरी काकरापार के बंदोबस्त पूरा होने के बाद बाइक से सूरत

सूरत सिविल अस्पताल में पोस्ट मोर्टम के बाद पुलिस विभाग ने मृतक जवान के सम्मान में गार्ड ऑफ ओनर दिया

आ रहा था। इसी दौरान अज्ञात वाहन के चालक ने उसे टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। इसलिए पुलिसकर्मी सेतुल को इलाज के लिए अर्थ सिविल अस्पताल लाया गया। थोड़े समय के इलाज के बाद उनकी मृत्यु हो गई, उनके परिवार और साथी पुलिसकर्मी शोक में थे। जानकारी के मुताबिक, मूल रूप से व्यारनो का रहने वाला और सूरत के नानपुरा में रहने वाला ३० वर्षीय सेतुलकुमार जयंतीलाल चौधरी परिवार के साथ रहता था। परिवार में माँ, पिता और एक बहन है। सेतुल सूरत पुलिस मुख्यालय में सशस्त्र एलआर के रूप में कार्यरत थे। उनका चयन २०१९ में हुआ था और वह ४ साल तक ड्यूटी पर रहे। पुलिस ने वाहन चालक के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच शुरूकी है।

उधना में राष्ट्रीय पक्षी मोर के पीछे आवारा कुत्तों के भागने से लोगों ने बचाया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर में दो दिनों में फायर ब्रिगेड ने अलग-अलग इलाकों में पतंग की डोर में फंसे २० पक्षियों को बचाया। आज सुबह उधना में लक्ष्मीनारायण इंडस्ट्रीज के पास पतंग की डोर में फंसे राष्ट्रीय पक्षी मोर के पिछे कुत्ते भाग रहे थे तो लोगों ने बचाया।

फायर ब्रिगेड से मिली जानकारी के अनुसार उधना रोड नंबर ६ पर महेंद्रा शोरूम के पास लक्ष्मीनारायण इंडस्ट्रीज के पास राष्ट्रीय पक्षी मोर के पैर में पतंग की डोर फंस गई। तभी आवारा कुत्ते मोर के पीछे दौड़ पड़े। रास्ते से गुजरते एक शख्स की

दो दिन में पतंग की लटकती डोर में फंसे २० पक्षियों को फायर ब्रिगेड ने बचाया

राष्ट्रीय पक्षी को कुत्तों से बचाकर पक्षी संगठन को सौंप दिया

नजर कुत्ते पर पड़ी और उसने राष्ट्रीय पक्षी मोर को कुत्तो से बचा लिया। अग्निशमन सूत्र ने बताया कि कॉल मिलने पर फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची और मोर के पैरों में फंसा धागा निकाला और मोर को पक्षी संगठन को सौंप दिया। इसके साथ ही सूरत शहर में दो दिनों में, सरथाणा में महादेव मंदिर के पास, मोटा वराछा में गोकुलधाम के पास, सूदामा चौक, वेसू नंदनवन के पास, वेसू, डभोलीगाम, लिंबायत सहित इलाकों में फायर ब्रिगेड ने पतंग की डोर में फंसे २० पक्षियों को अग्निशमन विभाग ने बचाया।

इलेक्ट्रिक मोपेड से सड़क पर खतरनाक स्टंट करते युवक का वीडियो हुआ वायरल

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत की सड़कों पर स्टंट करने वालों को पुलिस कानूनी पाठ पढ़ा रही है। दो युवको को इलेक्ट्रिक मोपेड पर सार्वजनिक सड़कों पर स्टंट करते देखा गया। अपने साथ पैदल यात्रियों और अन्य वाहन चालकों की जान को खतरे में डालने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद यह पुलिस जांच का विषय बन गया है।

कथित तौर पर वायरल हो रहा वीडियो पांडेसरा इलाके का

फोर व्हिल चालक द्वारा मोपेड चालकों का स्टंट का विडियो कैद कर लिया जो अब पुलिस के लिए जांच का विषय बन गया इन बदमाशों को कानून के प्रति जागरूक करना चाहिए

बताया जा रहा है। दोनों युवक मोपेड के हैंडल और सीट के बीच की जगह पर बैठकर मोपेड चलाते हैं। जबकि पीछे की सीट पर एक युवक मुंह ढके बैठा है। मोपेड सर्पिलाकार चलता है जैसे वह किसी से टकराने वाली हो। यह मोपेड चौक और बीआरटीएस रूट पर भी खतरनाक तरीके से गाड़ी चलाते हुए कैमरे में कैद हुई है। एक चार पहिया वाहन चालक ने इस मोपेड चालक का खतरनाक स्टंट का वीडियो अपने मोबाइल फोन में कैद कर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया है। जिसके आधार पर पुलिस से जांच करने की मांग की जा रही है। सोशल मीडिया पर कमेंट आ रहे हैं कि पुलिस को पिछली घटना की तरह इन बदमाशों को भी कानून के प्रति जागरूक करना चाहिए।

नगर निगम संचालित शिक्षा समिति के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष पद पर हुई नियुक्ति

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत नगर प्राथमिक शिक्षा समिति के नए अध्यक्ष के रूप में वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ता राजेंद्र कापड़िया के नाम की घोषणा की गई है। कापड़िया अब समिति के नये अध्यक्ष बन गये हैं। उपाध्यक्ष के तौर पर रंजन गोस्वामी के नाम की घोषणा की गई है। आज की आम बैठक में अध्यक्ष और उपाध्यक्ष पद पर राजेंद्र कापड़िया और रंजना गोस्वामी की घोषणा ने सभी अटकलों पर विराम लगा दिया है। इससे पहले कुछ दिन पहले शिक्षा समिति के तत्कालीन अध्यक्ष धनेश शाह का नाम कथित पर्चा कांड में उछला था, उन्होने निजि कारण बताकर इस्तीफा दे दिया था।

२६ फरवरी से शहर की सड़कों पर ५० से अधिक इलेक्ट्रिक बसें चलेगी

उधना दरवाजा से सचिन और ओएनजीसी से सरथाणा तक दो रूट पर चलेगी नई बसे

नई आधुनिक इलेक्ट्रीक बसों का ट्रायल लिया गया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत नगर निगम द्वारा सार्वजनिक परिवहन सेवा के हिस्से के रूप में, सूरत शहर और आसपास के क्षेत्रों के नागरिकों को रियायती दरों पर बीआरटीएस और सिटीबस सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। सूरत शहर भारत का एकमात्र शहर है जहां आप सीटी बस और बीआरटीएस में एक टिकट से यात्रा कर सकते हैं। वर्तमान में लगभग २,५०,००० नागरिक प्रतिदिन बीआरटीएस के कुल १३ मार्गों और सीटीबस के कुल ४५ मार्गों पर सार्वजनिक परिवहन सेवा का लाभ उठा रहे हैं।

२२/०२/२०२४ को प्रधान मंत्री नरेंद्रभाई मोदी के तत्वावधान में नवसारी में सूरत नगर निगम की विभिन्न परियोजनाओं के अनावरण कार्यक्रम में जेबीएम कंपनी की ५० इलेक्ट्रिक बसों का वर्चुअल उद्घाटन किया गया। जो आज दिनांक २३/०२/२०२४ को भेस्तान बीआरटीएस डिपो में सूरत नगर निगम की सार्वजनिक परिवहन समिति के अध्यक्ष सोमनाथ मराठे, इंचार्ज आसी. आयुक्त प्रवीण प्रसाद , जेबीएम कंपनी के गणमान्य व्यक्तियों और सूरत सिटीलिंक लिमिटेड के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में जेबीएम कंपनी की इलेक्ट्रिक बसों का ट्रायल लिया और नई आधुनिक बस की सुविधाओं के बारे में जाना।

इन बसों की खासियत के बारे में जानकारी देते हुए नगर निगम की परिवहन समिति के अध्यक्ष सोमनाथ मराठे ने कहा कि बसों में सीसीटीवी कैमरा, जीपीएस नेविगेशन, यात्री सूचना प्रणाली, यात्री घोषणा प्रणाली, पूरी तरह से वातानुकूलित सुविधाओं जैसी उन्नत सुविधाओं से सुसज्जित मानक आकार (१२ मीटर) की इलेक्ट्रिक बसें है। इन नई आधुनिक इलेक्ट्रीक बसों को २६/०२/२०२४ से बीआरटीएस रूट नंबर ११ (उधना दरवाजा से सचिन जीआईडीसी) और बीआरटीएस रूट नंबर १२ (ओएनजीसी कॉलोनी से सरथाणा नेचर पार्क) को सार्वजनिक परिवहन सेवा में डाला जाएगा।